प्रश्न बैंक

सत्र – 2022–23

विषय—हिंदी

कक्षा — छठवीं

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़

प्रकाशन वर्ष 2022–23

संरक्षक

राजेश सिंह राणा 'IAS'
संचालक, SCERT

मार्गदर्शक

डॉ.योगेश शिवहरे अतिरिक्त संचालक, SCERT,
डॉ.निशी भाम्बरी संयुक्त संचालक, SCERT

संयोजक

श्रीमती दिव्या क्लारेट लकरा, प्राध्यापक
श्रीमती कौशिल्या खुटे, श्रीमती लीना नेमपांडे

विशेष सहयोग

डॉ.विद्यावती चन्द्राकर

विषय विशेषज्ञ

डॉ. डी. के. बोदले

लेखन

राधेश्याम बंजारे, इमलेश्वरी मिरी

टंकण

विजया वैष्णव

आवरण

सुधीर कुमार वैष्णव

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़
शंकर नगर, रायपुर

आमुख

वर्तमान में शालाओं में आकलन की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली बनाने तथा शिक्षकों और छात्रों में विषयों की समझ को अधिक विकसित करने से लिए अच्छे प्रश्नों का निर्माण होना आवश्यक है।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए SCERT द्वारा पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया है। प्रश्न बैंक के माध्यम से शिक्षण अधिगम संबंधी उद्देश्यों की पूर्ति की जा सकती है। शिक्षक इसका उपयोग पढ़ाने, परीक्षा लेने तथा छात्र स्वआकलन के लिए कर सकते है।

बच्चों में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम) पूर्ण किया जाना है। इसी आधार पर कक्षा 1 से 8 के लिए कक्षावार विषयवार प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया। निर्मित **'प्रश्न बैंक'** में कक्षा के अधिगम स्तर का ध्यान रखा गया है तथा सम्पूर्ण पाठ से प्रश्न निकाले गए हैं, प्रश्नों को वस्तुनिष्ठ, अतिलघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय क्रम में रखा गया।

सृजित **'प्रश्न बैंक'** में समाहित प्रश्न ज्ञानात्मक, समझ, अनुप्रयोग, विशलेषण आधारित है एवं विद्यार्थियों के स्तरानुरूप हैं। यह **'प्रश्न बैंक'** अध्ययन अध्यापन में अन्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके द्वारा विद्यार्थियों के अपेक्षित कौशलों के विकास को जांचा-परखा जा सकेगा और पाठ्यपुस्तक में वर्णित अवधारणाओं को समझने के सरलता होगी। इन प्रश्नों के माध्यम से बच्चे स्वयं को सक्रिय रख पाएँगे तथा बच्चों में स्वयं करके सीखने, अपने परिवेश को समझने, तर्क करने, चिंतन करने, अपने अनुभवों की अभिव्यक्ति आदि गुणों का विकास हो सकेगा। इस **'प्रश्न बैंक'** के माध्यम से बच्चों में भाषायी कौशलों के विकास के साथ विषय-वस्तु की समझ विकसित होगी। शिक्षकों को यह 'प्रश्न बैंक' विषयवस्तु को सरल एवं विकसित करने में उनकी मदद करेगा।

यह **'प्रश्न बैंक'** शिक्षकों एवं छात्रों के लिए उपयोगी है शिक्षकों से आग्रह है कि 'प्रश्न बैंक' का अध्ययन कर इनकी उपयोगिता सुनिश्चित करें।

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर

कक्षा - 6

विषय – हिंदी

विषय सूची

पाठ	पाठ का नाम	पेज
1	अभियान गीत	1-3
2	एक टोकरी भर मिट्टी	4-7
3	हेलन केलर	8-12
4	दूँगी फूल कनेर के	13-16
5	बरखा आथे	17-20
6	सफ़ेद गुड़	21-24
7	समय नियोजन	25-28
8	मेरा नया बचपन	29-31
9	दू ठन नन्ही कहानी	32-34
10	हम पंछी उन्मुक्त गगन के	35-38
11	शहीद की माँ	39-42
12	सर्वधर्म समभाव	43-44
13	आलसी राम	45-47
14	नाचा के पुरखा: दाऊ मंदराजी	48-50
15	सरलता और सहृदयता	51-53
16	चचा छक्कन ने केले खरीदे	54-56
17	नीति के दोहे	57-59
18	हमर कतका सुन्दर गाँव	60-62
19	हार की जीत	63-64
20	हाना	65-67
21	छत्तीसगढ़ दर्शन	68-71
	निबंध	
1	स्वच्छ भारत मिशन	72
2	मोबाइल क्रांति	73
3	विज्ञान के चमत्कार	75
4	विद्यार्थी और अनुशासन	76
5	किसी महापुरुषों की जीवनी या राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी	77
6	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ	78

पाठ – 1
अभियान गीत

- डॉ. हरिवंश राय बच्चन

प्र. 1 सही विकल्प चुनकर लिखिए-

अ. 'अभियान गीत' के कवि हैं-

i. डॉ. हरिवंश राय बच्चन ii. गंगा प्रसाद

iii. लाला जगदलपुरी iv. श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान

उत्तर: i. डॉ. हरिवंश राय बच्चन

ब. वन का समानार्थी शब्द है-

i. वृक्ष ii. बगीचा

iii. जंगल iv. जल

उत्तर: iii. जंगल

स. छत्तीसगढ़ राज्य का राजकीय पशु है-

i. बैल ii. भैंसा

iii. वन भैंसा iv. गाय

उत्तर: iii. वन भैंसा

द. 'आध्यात्मिक' शब्द में प्रत्यय का सही विकल्प है-

i. आध्यात्म+इक ii. अध्यात्म+इक

iii. आ+ध्यात्मिक iv. आध्या+त्मिक

उत्तर: ii. अध्यात्म+इक

इ. 'अभिमान' शब्द में उपसर्ग का कौन सा विकल्प है-

i. अभि+मान ii. अ+भिमान

iii. अभ+ईमान iv. अभिम+आन

उत्तर: i. अभि+मान

उ. 'अमृत' शब्द का विलोम शब्द होता है-

i. मीठा

ii. विष

iii. कसैला

iv. कड़ुआ

उत्तर: ii. विष

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 'अभियान गीत' के कवि का नाम लिखिए?

उत्तर: 'अभियान गीत' के कवि का नाम डॉ. हरिवंश राय बच्चन है।

प्र.2 भारतमाता के बेटे क्या बनना चाहते हैं?

उत्तर: भारतमाता के बेटे वीर और साहसी बनना चाहते हैं।

प्र.3 रेगिस्तान किसे कहते हैं?

उत्तर: वह थल जहाँ रेत ही रेत हो उसे रेगस्तान कहते हैं।

प्र.4 भारतमाता के बेटे कैसे चलते हैं?

उत्तर: भारतमाता के बेटे हमेशा सीना तान कर चलते हैं।

प्र.5 किसकी रक्षा में पुरखों ने अनगणित शीश कटाए हैं?

उत्तर: भारतमाता की रक्षा में पुरखों ने अनगणित शीश कटाए हैं।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 देश निशान से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर: देश निशान से कवि का तात्पर्य राष्ट्र के प्रतीक चिन्हों यथा-राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय पुष्प, राष्ट्र पशु, राष्ट्र पक्षी तथा राष्ट्रगान से है।

प्र.2 राष्ट्र के प्रति नागरिकों के क्या कर्तव्य हैं?

उत्तर: राष्ट्र के प्रति नागरिकों के कर्तव्य- राष्ट्र के सम्मान की रक्षा करना तथा उसकी एकता व अखंडता को बनाए रखना है।

प्र.3 'अनेकता में एकता यह भारत की विशेषता है' इस कथन को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर: भारत में अनेक जाति, अनेक धर्म, अनेक भाषाएँ, विभिन्न सम्प्रदाय एवं अलग-अलग वेश-भूषाओं वाले लोग रहते हैं। लेकिन सबसे पहले वे भारतवासी हैं।

प्र.4 कवि 'अभियान गीत' के माध्यम से भारत माता का कौन सा कर्ज चुकाने की बात करते हैं?

उत्तर: कवि 'अभियान गीत' के माध्यम से भारत माता का इन रजकणों (धूल के कणों) के अहसानों का कर्ज चुकाने की बात करते हैं।

प्र.5 भारत माता के बेटे सीना तान कर चलने की बात क्यों करते हैं?

उत्तर: कवि कहते हैं कि हम भारत माता के बेटे हैं। इस बात का हमें गर्व है। इसलिए हम सीना तान कर चलते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 अभियान गीत से क्या तात्पर्य है?

उत्तर: अभियान गीत से तात्पर्य हाथ में राष्ट्र ध्वज लेकर कदम से कदम मिलकर परेड के रूप में चलते हुए गीत गाने से है। बालक प्रतिज्ञा करते हैं कि स्वतन्त्र भारत के बालक अपनी मातृभूमि के प्रति अपना प्रेम, समर्पण एवं कर्तव्य का पालन करते हुए 'मरते दम तक' अपने राष्ट्र के सम्मान एवं उसके गौरव की रक्षा करेंगे।

प्र.2 बालक भारत माता की मिटटी की महिमा का गान क्यों कर रहा है?

उत्तर: बालक ने भारत माँ की मिट्टी में जन्म लिया है, जिसकी आन-बान-शान की रक्षा के लिए हमारे पूर्वजों ने अपने प्राणों की आहुति देकर इसकी रक्षा की है। भारत की मिट्टी पवित्र है। यह हमारी जन्म-भूमि है। इसलिए बालक भारत माँ की मिटटी की महिमा का गान कर रहा है।

प्र.3 देश की रक्षा करने वाले फौजी वर्दी पहनते हैं। वर्दी पहनने के क्या कारण हो सकते हैं? अपने विचार लिखिए।

उत्तर: देश की रक्षा करने वाले फौजी वर्दी पहनते हैं। वर्दी पहनने के प्रमुख कारण ये हैं- भारत में विभिन्न धर्म सम्प्रदाय के लोग रहते हैं, जब वे वर्दी पहनते हैं तो ये नहीं कहते कि हम हिन्दू हैं, मुस्लिम हैं या सिख हैं। सभी का वर्दी पर एक समान अधिकार होता है। सैनिक के वेश में हम सबसे पहले हिन्दुस्तानी हैं। वर्दी पहनने से देश सेवा की भावना हमारे मन में जाग्रत होती है, यह कारण है वर्दी पहनने का।

पाठ – 2
एक टोकरी भर मिट्टी

- माधवराव सप्रे

प्र. 1 रिक्त स्थान कि पूर्ति कीजिये-

1. जमींदार के महल के पास एक अनाथ विधवा की ..... थी।

उ. झोपड़ी

2. विधवा की एकमात्र सहारा ..... थी।

उ. पोती

3. विधवा हाथ में .... लेकर वहां पहुंची।

उ. कटोरा

4. विधवा के कहे हुए वचन सुनते ही उनकी ..... खुल गयी।

उ. आँखें

5. विधवा अपनी झोपड़ी पर दोबारा ..... लेने आयी थी।

उ. मिट्टी

6. जमींदार ने विधवा को ..... वापस कर दिया।

उ. झोपड़ी

7. विधवा की पोती ने ..... छोड़ दिया था।

उ. खाना-पीना

8. जमींदार ने विधवा से ..... मांगी।

उ. क्षमा

9. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

क. जिसका पति मर गया हो-

उ. विधवा

ख. जिसका कोई ना हो-

उ. अनाथ

ग. जिसका कोई सहारा ना हो-

उ. बेसहारा

घ. जो मरे हुए के समान हो-

उ. मृतप्राय

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 जमींदार के महल के पास किसकी झोपड़ी थी?

उ. जमींदार के महल के पास एक गरीब, अनाथ, विधवा की झोपड़ी थी।

प्र.2 'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

उ. 'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी के लेखक का नाम श्री माधवराव सप्रे है।

प्र.3 विधवा की एकमात्र सहारा कौन थी?

उ. विधवा की एकमात्र सहारा उसकी पोती थी।

प्र.4 विधवा अपनी झोपड़ी से क्या ले जाना चाहती थी?

उ. विधवा अपनी झोपड़ी से एक टोकरी मिट्टी ले जाना चाहती थी।

प्र.5 पोती की दशा देखकर विधवा ने क्या किया?

उ. पोती की दशा देखकर विधवा ने झोपड़ी से एक टोकरी मिट्टी लाने का निश्चय किया।

प्र.6 निर्धन व्यक्ति क्या खाते हैं?

उ. निर्धन व्यक्ति रूखा-सूखा अन्न खाते हैं।

प्र.7 विधवा झोपड़ी के भीतर जाते ही क्यों रोने लगी?

उ. विधवा झोपड़ी के भीतर जाते ही उसे अपनी पुरानी बातें याद आ गयी। इसलिए विधवा रोने लगी।

लघुउत्तरीय प्रश्न

प्र.1 जमींदार विधवा की झोपड़ी क्यों हथियाना चाहता था?

उ. जमींदार विधवा की झोपड़ी इसलिए हथियाना चाहता था क्योंकि वह उसके महल के पास में था। जमींदार उस स्थान पर महल बनाना चाहता था। क्योंकि झोपड़ी के कारण उसके महल की सुन्दरता में कमी आती थी।

प्र.2 विधवा की पोती ने खाना-पीना क्यों छोड़ दिया था?

उ. विधवा की पोती को अपनी झोपड़ी से बहुत लगाव था और झोपड़ी छोड़कर दूसरे स्थान पर जाने से उनका मन बहुत दुखी था, इस कारण उसने खाना-पीना छोड़ दिया था।

प्र.3 विधवा की किस बात से जमींदार को अपनी भूल का अहसास हुआ?

उ. विधवा ने जमींदार से कहा "महाराज, नाराज न हों, तो आपसे एक बात कहूँ – आपसे तो एक टोकरी भर मिटटी की नहीं उठाई जा रही है तो जनम भर यहाँ हजारों टोकरियां मिट्टी का भार आप कैसे उठा पाओगे?" यह वाक्य सुनकर जमींदार को अपनी भूल का अहसास हुआ।

प्र.4 वृद्धा झोपड़ी में से एक टोकरी मिटटी क्यों ले जाना चाहती थी?

उ. वृद्धा ने सोचा कि मैं अपनी झोपड़ी से एक टोकरी मिटटी लाकर चूल्हा बनाऊँगी और उसी चूल्हे में रोटी बनाकर अपने पोती को खिलाऊँगी तो शायद वह रोटी खाने लगेगी इसलिए वृद्धा झोपड़ी से एक टोकरी मिट्टी लाना चाहती थी।

प्र.5 जमींदार ने झोपड़ी को कब्ज़ा करने के लिए कौन सी चाल चली?

उ. जमींदार ने अपने सभी प्रयास निष्फल होते देखकर अपनी जमींदारों वाली चाल चली। उन्होंने बाल की खाल निकालने वाले वकीलों की थैली गरम कर उन्होंने अदालत में झोपड़ी पर अपना कब्ज़ा कर लिया और विधवा को वहां से निकाल दिया।

प्र.6 इस कहानी का शीर्षक 'एक टोकरी भर मिटटी' क्यों रखा गया है?

उ. वृद्धा विधवा द्वारा जमींदार से एक टोकरी मिटटी मांगे जाने पर ही जमींदार का हृदय परिवर्तन होता है। इस कारण इस कहानी का शीर्षक 'एक टोकरी भर मिटटी' रखा गया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 जमींदार के द्वारा विधवा के साथ किया जाने वाला व्यवहार उचित है अथवा अनुचित? अपने विचार दीजिए।

उ. जमींदार के द्वारा विधवा के साथ किया जाने वाला व्यवहार अनुचित है, यहाँ पर जमींदार के द्वारा एक गरीब विधवा की जमीन को हथियाना कदापि उचित नहीं है क्योंकि विधवा के साथ उसकी पोती के आलावा उसके घर में दूसरा कोई व्यक्ति नहीं था। जो उस विधवा की सहायता कर सके उसका पालन-पोषण कर सके। उस झोपड़ी के आलावा विधवा के पास कुछ नहीं था। जिससे वह गुजर-बसर कर सके, क्योंकि उस झोपड़ी से विधवा का पुराना संबंध था। इसी झोपड़ी में विधवा के पति और इकलौता पुत्र और और उसकी बहू की मृत्यु हुई थी। विधवा और उसकी पोती को उस झोपड़ी से बहुत लगाव था। जमींदार के द्वारा विधवा के साथ किया

जाने वाला व्यवहार इसी कारण अनुचित है। और हमेशा ही धनवान लोग निर्धन के ऊपर अत्याचार करते हैं, यह गलत है, मनुष्य होने के कारण हमें मानवता को नहीं भूलना चाहिए।

प्र.2 हमारे आस-पास अभाव में जिंदगी जीने वाले कई लोग रहते हैं, उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें देखकर आपके मन में किस तरह के भाव उत्पन्न होते हैं।

उ. अभाव में जिंदगी जीने वालों को देखकर हमारे मन में दया, प्रेम व सहयोग के भाव उत्पन्न होते हैं, एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के अगर काम आ जाये तो इससे बड़ी मानवता और कुछ नहीं हो सकती। सुख के साथी सब लेकिन जो दुःख में साथ दे वही सबसे बड़ा साथी होता है। मानवता के नाते अभाव में जिंदगी जीने वालों का निःस्वार्थ भाव से सहयोग करना चाहिए। यही हमारे मन में भाव उत्पन्न होते हैं।

प्र.3 निर्धन व्यक्ति के जीवन पर दस वाक्य लिखिए।

उ. 1. निर्धन व्यक्ति अच्छे मकान में रहते हैं।

2. रूखा-सूखा खाते हैं।

3. दूसरों की दया पर निर्भर रहते हैं।

4. प्राकृतिक आपदा का शिकार निर्धन व्यक्ति पहले होते हैं।

5. अस्वस्थ तथा शरीर निर्बल होते हैं।

7. अमीरों के द्वारा गरीबों का शोषण किया जाता है।

8. अमीरों द्वारा गरीबों को नीची दृष्टि से देखे जाते हैं।

9. गरीब भिक्षा मांगकर भी अपना जीवन यापन करते हैं।

10. निर्धन लोग अशिक्षित होने के कारण उन पर अत्याचार होता है और वे अत्याचार का विरोध नहीं कर पाते।

पाठ – 3
हेलन केलर

- संकलित

प्र. 1 दिए गए उपयुक्त कारक चिन्हों को खाली स्थानों में भरिये-

(प्र, को, ने, के, का)

क. हेलन _____ अपनी गुड़िया बहुत प्रिय थी।
उ. को

ख. सलिवन _____ हेलन की हथेली पर उंगली से डॉल (गुड़िया) शब्द लिखा।
उ. ने

ग. हेलन _____ उँगलियों _____ यह खेल बहुत पसंद आया। वह फ़ौरन अपनी माँ के पास गयी।
उ. को, का

घ. धीरे-धीरे सलीवन____ हेलन ____ ब्रेल लिपि सिखा दी।

ङ. हेलन ____ नाव खेने, घोड़े _____ सवारी करने ___ भी शौक था।
उ. को, पर, का

प्र.2 निम्नलिखित शब्दों जे सही रूप को छांटकर लिखिए-

i. कांच/काँच
उ. काँच

ii. मुनी/मुनि
उ. मुनि

iii. पूर्ण/पुर्ण
उ. पूर्ण

iv. घन्टा/ घण्टा
उ. घण्टा

v. बिमारी/बीमारी
उ. बीमारी

vi. लहू/लहु
उ. लहू

vii. एनक/ऐनक
उ. ऐनक

viii. हिरण/हिरन
उ. हिरण

ix. कँगन/कंगन

उ. कंगन

x. गृहस्थ/ग्रहस्थ

उ. गृहस्थ

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 हेलन केलर का जन्म कब हुआ था?

उ. हेलन केलर का जन्म 27 जून सन् 1880 में हुआ था।

प्र. 2. हेलन केलर का जन्म कहाँ हुआ था?

उ. हेलन केलर का जन्म अमेरिका के टस्कम्बिया, अलबामा में हुआ था।

प्र.3 हेलन केलर के माता-पिता का क्या नाम था?

उ. हेलन की माँ केट एडम्स तथा पिता का नाम आर्थर एडम्स था।

प्र.4 हेलन अन्य बच्चों की अपेक्षा कैसी थी?

उ. हेलन अन्य बच्चों की अपेक्षा अधिक बुद्धिमती एवं विलक्षण प्रतिभा की थी।

प्र.5 हेलन ने पहला शब्द क्या लिखा?

उ. हेलन ने पहला शब्द उँगलियों की सहायता से गुड़िया लिखा।

प्र.6 हेलन को ब्रेल लिपि किसने सिखाया?

उ. हेलन की शिक्षिका सलीवन ने ब्रेल लिपि सिखाया।

प्र.7 हेलन बचपन में रात-दिन क्या करती थी?

उ. हेलन बचपन में रात-दिन खाना-पीना भूलकर ब्रेल लिपि में लिखे साहित्य को पढ़ा करती थी।

प्र.8 हेलन की स्कूली शिक्षा कहाँ हुई?

उ. हेलन की स्कूली शिक्षा अमेरिका के कैम्ब्रिज स्कूल में हुई।

प्र.9 हेलन ने ब्रेल लिपि से कौन सा साहित्य लिखा?

उ. हेलन ने ब्रेल लिपि में मेरी आत्मकथा और नौ पुस्तकें लिखी हैं।

प्र.10 हेलन को किससे प्रेम था?

उ. हेलन को प्रकृति से बहुत प्रेम था।

प्र. 11 हेलन को क्या-क्या शौक था?

उ. हेलन को नाव खेने, तैरने और घुड़सवारी करने का शौक था।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 हेलन केलर कौन थी?

उ. हेलन केलर अमेरिका की सुप्रसिद्ध महिला थी, जिसे न दिखाई देता था न सुन सकती थी और न ही बोल सकती थी। इसके बावजूद हेलन ने उच्च शिक्षा प्राप्त की और फिर दीन-दुखियों की सेवा में अपना जीवन अर्पित कर दिया। ऐसी ही महान विभूति हेलन केलर थी।

प्र.2 हेलन केलर ने अपनी पढ़ाई किस विद्यालय से प्रारंभ की थी एवं उन्होंने किस कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की थी?

उ. हेलन केलर ने अपनी पढ़ाई अमेरिका के कैम्ब्रीज स्कूल से शुरू की। स्कूल की पढ़ाई करने के आलावा उसने केवल दो वर्ष में ही अंग्रेजी, जर्मन और फ्रेंच भाषाएँ भी सीख ली। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उसने कालेज की पढ़ाई शुरू की और सन् 1904 में बी. ए. की परीक्षा पास की।

प्र.3 सलीवन की प्रेरणा से क्या सीख/शिक्षा मिलती है?

उ. सलीवन की प्रेरणा से हमें यह सीख मिलती है, कि हमें भी भविष्य में इस प्रकार से कोई व्यक्ति मिले तो हम भी सलीवन के तरह उस व्यक्ति की मदद करें। अपने दैनिक जीवन में परोपकार का कार्य करें जिससे किसी बेसहारा या किसी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को भी जीवन जीने का रास्ता मिले।

प्र.4 पढ़ाई के आलावा हेलन के कौन-कौन से शौक थे? उनका किन-किन भाषाओँ पर अधिकार था?

उ. पढ़ाई के आलावा हेलन को नाव खेने, तैरने और घुड़सवारी करने का भी शौक था। वह शतरंज और ताश भी खेला करती थी। उन्हें अंग्रेजी, जर्मन और फ्रेंच भाषाओँ का भी ज्ञान था। वह एक अच्छी लेखिका एवं समाज सेविका भी थी।

प्र.5 ब्रेल लिपि क्या है?

उ. बेरल लिपि दृष्टिहीनों को शिक्षा देने के लिए बनाई गयी वह विशेष लिपि है, जिसमें मोटे कागज पर सूजे से छेदकर ध्वनी सूचक बिंदियाँ बनाई जाती हैं। पलटकर उन उभरी हुई बिंदियों को उँगलियों के स्पर्श से पढ़ा जाता है। इसका अविष्कार सन् 1884 में एक नेत्रहीन फ्रांसीसी लेखक लुइ ब्रेल ने किया था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 हेलन केलर के जीवन चरित्र को दस वाक्यों में लिखिए।

उ. हेलन केलर के जीवन चरित्र की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं-

i. अमेरिका की प्रसिद्ध महिला हेलन केलर का जन्म सन् 1880 में हुआ था।

ii. हेलन केलर बुद्धिमती थी, जिज्ञासु, सीखने की इच्छुक थी।

iii. ब्रेल लिपि में लिखे साहित्य का अध्ययन किया।

iv. हेलन को अंग्रेजी, जर्मन और फ्रेंच भाषा का ज्ञान था।

v. हेलन को नाव खेने, तैराकी और घुड़सवारी का शौक था।

vi. हेलन केलर का जीवन चरित्र अंधे-बहरे लोगों की प्रेरणा स्त्रोत है।

vii. उन्होंने ब्रेल लिपि में नौ पुस्तकें लिखी, जो विश्व साहित्य की अनमोल निधि हैं।

viii. हेलन को प्रकृति से प्रेम था।

ix. हेलन ने आत्मविश्वास और सच्ची लगन से सफलता प्राप्त की।

x. हेलन ने सामान्य बच्चों की अपेक्षा अधिक क्षमता से सामान्य जीवन जी कर महान कार्य किये।

प्र.2 शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए कौन-कौन सी सुविधाएँ होनी चाहिए?

उ. शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए निम्नलिखित सुविधाएँ होनी चाहिये-

i. शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए अलग से स्कूल होने चाहिए।

ii. निःशुल्क शिक्षा और स्कूल आने जाने की निःशुल्क व्यवस्था होनी चाहिए।

iii. निःशुल्क छात्रावास होनी चाहिए।

iv. अलग से प्रसाधन की व्यवस्था होनी चाहिए।

v. शारीरिक रूप से अक्षम लोग किसी प्रकार से प्रताड़ित न हों इसके लिए सरकार जवाबदेही निर्धारित करे।

vi. किसी अन्य व्यक्तियों के द्वारा उन्हें प्रताड़ित करने पर कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

पर.3 "आत्मविश्वास और सच्ची लगन से जो कार्य प्रारंभ किया जाता है उसमें व्यक्ति को अवश्य सफलता मिलाती है" हेलन केलर के जीवन को दृष्टि में रखते हुए इस कथन को सिद्ध कीजिये।

उ. हेलन केलर अंधी-गूंगी वा बहरी लड़की थी, जिसने अपने आत्मबल से लिखना-पढना सीखा। साथ ही उसने अंधे बधिरों की सेवा भी की। उनके लिए सोसायटी कायम की, वहां ब्रेल लिपि में उनके लिए साहित्य के प्रकाशन कि व्यवस्था भी की। हेलन ने विश्व यात्रा प्रारंभ की। उसने यूरोप, कनाडा, आस्ट्रेलिया, मिश्र, जापान, दक्षिणी अफ्रीका, भारत इत्यादि देशों में घूमी। इस यात्रा का एकमात्र उद्देश्य था विभिन्न देशों के अंधे-बहरे लोगों के जीवन में आशा व उत्साह का संचार करना। इस पवित्र उद्देश्य को लेकर जहाँ कहीं भी गयी उसका यथेष्ट आदर हुआ। आज सारा संसार उसके चरणों में श्रद्धानत है।

इस प्रकार हेलन केलर के जीवन को देखते हुए यह कथन सत्य होता है कि "आत्मविश्वास और सच्ची लगन से जो कार्य प्रारंभ किया जाता है उसमें व्यक्ति को अवश्य सफलता मिलती है"।

पाठ – 4
दूँगी फूल कनेर के

- श्री गंगा प्रसाद

प्र. 1 निम्नलिखित संज्ञाओं से क्रियाएँ बनाइये-

क) पढ़ाई
उ. पढ़ना
ख) लिखाई
उ. लिखना
ग) सिलाई
उ. सिलना
घ) बुनाई
उ. बुनना
ङ) भराई
उ. भरना
च) सजाई
उ. सजाना
छ) कटाई
उ. काटना
ज) घिसाई
उ. घिसना

प्र.2 निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

i. जो कभी न मरे-
उ. अमर
ii. जिसकी उपमा न हो-
उ. अनुपम
iii. जिसकी मूल्य न आँकी जा सके-
उ. अमूल्य
iv. जिसका अंत न हो-
उ. अनंत
v. सदा रहने वाला-
उ. सदैव
vi. जो सब कुछ जानता हो-
उ. सर्वज्ञानी

vii. जो कठिनाई से मिले-
उ. दुर्लभ
viii. जो मांस खाता हो-
उ. मांसाहारी
ix. बहुत बोलने वाला
वाचाल
x. नष्ट होने वाला
उ. नाशवान

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 "दूँगी फूल कनेर के" कविता के कवि का नाम लिखिए?

उ. "दूँगी फूल कनेर के" कविता के कवि का नाम श्री गंगाप्रसाद है।

प्र.2 प्रस्तुत कविता में कौन, किसे अपने गाँव आने के लिए निमंत्रित कर रही है?

उ. प्रस्तुत कविता में नन्ही बालिका बच्चों को अपने गाँव आने के लिए निमंत्रित कर रही है।

प्र.3 गाँव का घर कैसा होता है?

उ. गाँव के घर कुछ कच्चे तथा कुछ पक्के घर होते हैं और एक बड़ा तालाब होता है।

प्र.4 मुखौटे के बारे में आप क्या जानते हैं?

उ. कागज या गत्ते से बनी हुई विशेष व्यक्तियों के मुख की आकृतियां मुखौटा कहलाती हैं।

प्र.5 भाई, पेड़ को क्यों कटवाना चाहता है?

उ. भाई लालच में पेड़ कटवाना चाहता है।

प्र.6 कुट्टी करने की स्थिति कब आती है?

उ. खेलते समय नाराज होने पर कुट्टी करने की स्थिति आती है।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र. 1 बालिका अपने गाँव में बुलाने के लिए क्या-क्या प्रलोभन देती है?

उ. तुम जब मेरे गाँव आओगे तो टीले के ऊपर से होकर आना वहां बेर के कई पेड़ हैं, जहां पर से तुम बेर खाते आना, तुम मेरे गाँव आना, तब मैं तुम्हें कनेर के फूल दूँगी। बालिका पढ़ने-लिखने तथा खेल-खेलने का भी प्रलोभन देती है ताकि बच्चे इन सब बातों को सुनकर बालिका के गाँव आयें।

प्र. 2 'मेरे बचपन में ही आये, दिन कैसे अँधेरे के' इस पंक्ति में बालिका के मन का क्या भाव प्रकट होता है?

उ. इस पंक्ति में पेड़ काटने को लेकर निराशा के भाव बालिका के मन में आये क्योंकी हमारे पूर्वजों ने जो पेड़ लगाए थे उनके फल उनकी संतानों ने खाए और आज मैं देख रही हूँ कि कैसे बुरे दिन आ गए हैं, अर्थात् मनुष्य कितना स्वार्थी लालची हो गया है कि वह अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए हरे-भरे पेड़ों को कटवाने के लिए तत्पर रहते हैं।

प्र.3 कविता की किन पंक्तियों से बालिका का पर्यावरण प्रेम प्रकट होता है?

उ. कविता की निम्न पंक्तियों में बालिका का पर्यावरण प्रेम प्रकट होता है-

बाबा ने था पेड़ लगाया,

बापू ने फल खाए हैं।

भाई बचपन में ही आए,

दिन कैसे अँधेरे के?

आना मेरे गाँव तुम्हें मैं,

दूँगी फूल कनेर के।

प्र.4 'कई मुखौटे' तुम देखोगे मिटटी वाले शेर के कविता के इस पंक्ति में मुखौटे और मिटटी वाले शेर का किन अर्थों में प्रयोग हुआ है?

उ. मुखौटा – कागज या गत्ते से बनी हुई विशेष व्यक्तियों के मुख की आकृतियाँ मुखौटा कहलाती हैं, इस पंक्ति में मुखौटे और मिटटी वाले शेर का इस अर्थ में प्रयोग हुआ है कि व्यक्ति मुखौटे से और मिटटी वाले शेर से अपना वास्तविक चेहरा छुपा लेता है।

प्र.5 "हँसना रोना तो लगा ही रहता है हर खेल में" पंक्ति का क्या आशय है?

उ. यह कविता की पंक्ति हमें प्रेरणा देती है कि जीवन में पग-पग पर हार-जीत तो लगी रहती है। हार से हमें निराश नहीं होना चाहिए बल्कि जीत के लिए उत्साह से जुट जाना चाहिए। हमें किसी से नाराज न होने तथा आपस में मिल-जुलकर रहने की प्रेरणा देती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 अपने गाँव की सुन्दरता का वर्णन कीजिये।

उ. मेरा गाँव बहुत ही सुन्दर है हमारे गाँव के सभी लोग मिल-जुलकर रहते हैं। मेरे गाँव में कुछ कच्चे एवं कुछ पक्के मकान हैं। हमारे गाँव में एक बड़ा सा तालाब है जिसमे हम सभी गाँव के लोग नहाने एवं बैलों को नहलाने का कार्य करते हैं। तालाब के पास आम का बगीचा

है और पास में ही अमरुद तथा बेर के बगीचे भी हैं। गर्मी के दिनों में अक्सर हम आम तोड़ने जाया करते हैं। वहां जाकर हमें बहुत अच्छा लगता है। घर से लगा हुआ बाड़ी है जिसमें पूरे परिवार सहित साग-सब्जी लगाते हैं। गाँव में सभी एक-दूसरे के दुःख एवं सुख में साथ देते हैं। इस प्रकार हम गाँववासी सुख पूर्वक मिल-जुलकर रहते हैं। प्रत्येक त्यौहार को सब साथ मिलकर आनंद लेते हैं। गाँव का जीवन सरल एवं सुन्दर होता है।

प्र.2 बालिका के भाई पेड़ को क्यों काटना चाहते हैं? पेड़ काटने के क्या नुकसान हैं? अपने विचार लिखिए।

उ. बालिका के भाई लालची प्रवृत्ति के इंसान हैं, अपने स्वार्थ के लिए पेड़ को काटना चाहते हैं। पेड़ काटने से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाता है। पेड़-पौधों से हमें फल-फूल प्राप्त होता है। अधिक पेड़ों से हमारा वातावरण शुद्ध रहता है। पेड़-पोधों से हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है। जब तक इस पृथ्वी पर पेड़-पौधे हैं तब तक मनुष्य हैं। पेड़-पौधों के बिना मानव तथा दूसरे जीवों की जीवन की कल्पना करना भी संभव नहीं है। पेड़-पौधों की कमी से वायु प्रदूषण बढ़ जाता है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग में प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार पेड़ काटने के नुकसान हैं।

प्र.3 बालिका के गाँव में एक पुराना तालाब है। तालाब क्या होता है? तालाब को अगर पाट दिया जाए तो उससे गाँव किस तरह प्रभावित होगा?

उ. गाँव में तालाब का उपयोग नहाने व जानवरों को नहलाने के लिए करते हैं, तथा अन्य कार्यों के लिए तालाब का उपयोग करते हैं, कभी-कभी तालाब के पानी को खेतों में सिंचाई के लिए उपयोग करते हैं। बहुत बड़ी जगह को खोदकर गहरा किया जाता है और उसमें पानी भरा जाता है उसे तालाब कहते हैं। तालाब को पोखर भी कहा जाता है। गाँव के सभी लोग सार्वजनिक रूप से इसका उपयोग करते हैं। अगर तालाब को पाट दिया जाए तो गाँव में अव्यवस्था फ़ैल जाएगी जिससे दैनिक जीवन संकटमय हो जायेगा। गाँव इस प्रकार से प्रभावित होगा।

पाठ – 5
बरखा आथे

- लाला जगदलपुरी

प्र. 1 सही जोड़ी मिलावव-

1. बिस्वास	निर्बल
2. खुस	असत्य
3. ओसार	अविश्वास
4. बनिहार	बेचना
5. सिरतोन	नाखुश
6. बिसाबो	मालिक
7. करिया	पास
8. अंधियार	दूर
9. दुरिहा	उजाला
10. तीर	सफ़ेद

उ.

1. बिस्वास	अविश्वास
2. खुस	नाखुश
3. ओसार	निर्बल
4. बनिहार	मालिक
5. सिरतोन	असत्य
6. बिसाबो	बेचना
7. करिया	सफ़ेद
8. अंधियार	उजाला
9. दुरिहा	पास
10. तीर	दूर

प्र.2 खाल्हे लिखाय छत्तीसगढ़ी शब्द के हिंदी शब्द लिखव-

क) सोन

उ. सोना

ख) बरखा

उ. बारिश

ग) बिजली

उ. दामिनी

घ) फूल

उ. पुष्प

ङ) लक्ष्मी

उ. लक्ष्मी

च) भुईयाँ

उ. भूमि

छ) करिया

उ. काला

ज) आरो

उ. आवाज

झ) सिरतोन

उ. सत्य

ञ) बनिहार

उ. मजदूर

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 बरखा आये के का कारण हवय?

उ. खेती ल हुसियार बनाय बर बरखा होथे।

प्र.2 बरखा आये से जिनगी म का परभाव होथे?

उ. बरखा आये से जिनगी म खुशहाली आथे।

प्र.3 सपना ह सिरतोन कइसे बनथे?

उ. बरखा आये ले किसान के माटी ल सोन बनाए के सपना ह सिरतोन बनथे।

प्र.4 बरखा ह कोन-कोन रूप म बाजत हवय।

उ. बरखा ह चिकारा अस अऊ नंगारा अस बाजत हवय।

प्र.5 संसार के नियम का हवय?

उ. लोगन मन कहिथे बदलाव ह हमर संसार के नियम हवय।

प्र.6 अंधियारी म बारात जोगनी ल कवि ह का जिनिस कहे हवय?

उ. अंधियारी म बारात जोगनी ल कवि ह जोत जोगनी के तारा अस कहे हवय।

प्र.7 लइका मन का कारन से कपसत हवय।

उ. लइका मन मेचका मन के आरो से कपसत हवय।

प्र.8 कवि बरखा ल कतका पानी मांगत हे?

उ. कवि बरखा ले अतका पानी मांगथे जेमे गाँव-गाँव में अन्न के अब्बड़ फसल होवय अऊ जम्मो जीव-जंतु के प्यास बुझावै।

प्र.9 कविता में हरकारा काला कहे गे हवे?

उ. कविता में हरकारा करिया-करिया बादर ल कहे हवे।

प्र.10 बखरी म का-का फरे हवे?

उ. बखरी म तोरई, तुम, रमकेलिया, करेला, बरबट्टी, रखिया अउ कुंदरू फरे हवे।

लघुउत्तरीय प्रश्न

प्र.1 कवि ह बादल ल हरकारा कस काबर कहे हवय?

उ. बादल ह दुरिहा-दुरिहा म जाके पानी बरसाथे अउ भूइयाँ, जीव-जंतु के प्यास ल बुझाये एकर सेती कवि ह बादल ल हरकारा कहे हे।

प्र.2 कवि ह देस के गाँव बर काबर पानी मांगत हे अउ ओकर से गाँव म का-का परभाव होही?

उ. कवि ह देस के गाँव बर अतका पानी मंगत हे जतका पानी पनिहारिन ल तरिया तीर पियास मांगथे। गाँव के नदिया-नरव, तरिया भर जाए ओकर से गाँव-गाँव म अन्न के अब्बड़ फसल होही अउ जम्मो जीव-जंतु के पियास ह बुझाही ओकर से गाँव म इही परभाव होही। अउ गाँव म खुशहाली आही।

प्र.3 बरसात म बखरी म कोन-कोन साग कोन तरह ले फरे-फूले रहिथे?

उ. बरसात म बखरी म तोरई, तूमा, रमकेरिया, करेला, कुंदरू, मखना, रखिया फूले-फरे राइथे अऊ बरबट्टी ह बारी म ओरमे रइथे, जरी भाजी ह लामे रइथे अऊ बखरी म किसीम-किसीम के साग-भाजी ह फरे-फूले रहिथे।

प्र.4 बरखा आए के पहिली अऊ बाद में कोन-कोन से रितु होथे? उन तीनों रितु में कोन-कोन से अंतर देखे बर मिलथे?

उ. बरखा आये के पहिली ग्रीष्म ऋतु होथे अऊ बरखा आये के बाद में शीत ऋतु आथे। तीनों ऋतु म बहुत अंतर हे, ग्रीष्म ऋतु म गर्मी ह हलाकान करथे गर्म-गर्म तेज़ हवा चलते नदिया-

नरवा के पान्नी ह सुखा जाथे ओकर बाद बरखा रितु आथे ए ऋतु म बरखा होथे। सबो जीव-जनुत के पियास ह बुझा जाथे, चरों तरफ हरियर-हरियर दिखथे। ओकर बाद ठंडा रितु आथे ए रितु म अब्बड़ ठंडा लागथे फेर घाम ह सुहागे।

प्र.5 "अतका पानी दे तैं जतका अन्न लक्ष्मी ह साँस मांगथे" ए कविता के अर्थ लिखो?

उ. बरखा से कवि ह निवेदन करत हे कि हे बरखा तैं अतका पानी बरस की धरती के पियास ह बुता जाये अउ खेत खलिहान के पियास ल बुझा पावे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 किसान मन बरखा आये के पहिली किसानी करे बर कोन किसम के तइयारी करथे? ओकर ले किसानी बारी मा का लाभ होथे?

उ. किसान मन बरखा आये के पहिली किसानी करे बर खेत अउ बाड़ी के साफ़-सफाई करथे। खेती बर खेत ल तैयार करके रखथे ओकर जोतइ कराथे ताकि खरपतवार मन ह घाम में सुखा जाये। ओकर बाद जो भी फसल लगाना हे तेकर बीज इकठ्ठा करके रखथे अउ बरखा आयी के एक-दू दिन पहिली बोवाई करथे। ओकर ले किसानी बारी म फसल के अब्बड़ पैदावार होथे। किसान मन खुश हो जाथे अउ ओकर आय म घलो बढ़ोत्तरी होथे। एकर ले किसानी बारी म अब्बड़ लाभ होथे।

प्र.2 बरखा रितु आये से हमर घर के चारों कोति बदलाव होथे। जेमा झंझटहा अउ सुघ्घर दूनो लागथे। अपन अनुभव लिखो।

उ. बरखा रितु आये से हमर घर के चारों कोति पानी ही पानी नजर आथे एकर ले हमर गाँव घर के आस-पास अब्बड़ चिखला होथे त हमला चले में अब्बड़ झंझट लागथे कई बार तो लइका मन ह फिसल के घलो गिर जाथे लेकिन पानी गिरे ल चारों कोति धरती हरियर-हरियर दिखथे। खेत-खार म फसल अच्छा होथे ओला देख के बाद सुघ्घर लागथे।

प्र.3 छत्तीसगढ़ी कविता 'बरखा आथे' पाठे के 6 पंक्ति कविता लिखव।

उ. खेती ल हुसियार बनाए बर,
भुइयां म बरखा आथे।
जिनगी ल ओसार बनाय बर
भुइयां म बरखा आथे।
सोन बनाय बर माटी ल
भुइयां म बरखा आथे।
सपना ल सिरतोन बनाय बर,
आंसू ल बनिहार बनाय बर
भुइयां म बरखा आथे।

पाठ – 6
सफ़ेद गुड़

- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

प्र. 1 दिए गए विकल्पों में सही शब्दों को छांटकर रिक्त स्थानों कि पूर्ति कीजिये-

क. उसे अजान की _____ सुनाई दी। (पुकार/आवाज)
उ. आवाज

ख. गाँव के _____ पर एक छोटी सी मस्जिद थी। (सिरे/बीच)
उ. सिरे

ग. उसके भीतर एक _____ सी आई। (ज्वाला/लहर)
उ. लहर

घ. उसने थोड़ी सी आँखें ____ देखा। (फाड़कर/खोलकर)
उ. खोलकर

ङ. अँधेरा काफी _____ हो गया था। (चढ़ा / गाढ़ा)
उ. गाढ़ा

च. मस्जिद के एक कमरे बराबर _____ में लोग नमाज के लिए इकट्ठे होने लगे थे। (ढलान/दालान)
उ. दालान

छ. उसके पैर _____ गए। (जड़/ठिठक)
उ. ठिठक

ज. वह _____ कह उठा, ईश्वर तुम सच में हो या नहीं। (चीख-चीख कर/मन ही मन)
उ. मन ही मन

झ. मुझे _____ दो, यहीं इसी वक्त। (दौलत/पैसे)
उ. पैसे

प्र. 2 संज्ञा शब्दों से विशेषण की रचना कीजिये-

i. अर्थ
उ. आर्थिक
ii. गाँव
उ. गंवार
iii. दिन
उ. दैनिक
iv. धन

उ. धनी
v. पिता
उ. पैत्रिक
vi. दया
उ. दयालु
vii. ज्ञान
उ. ज्ञानी
viii. दान
उ. दानी
ix. पाप
उ. पापी
x. ठण्ड
उ. ठण्डा
xi. अंत
उ. अंतिम

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 'सफ़ेद गुड़' पाठ के लेखक का नाम लिखिए?
उ. 'सफ़ेद गुड़' पाठ के लेखक का नाम सर्वेश्वर दयाल सक्सेना है।
प्र.2 माँ के आसमान की तरफ देखने भर से बालक क्या समझ जाता था?
उ. माँ के आसमान की तरफ देखने भर से बालक समझ जाता था कि माँ के पास पैसे नहीं हैं।
प्र.3 अठन्नी मिलने पर बालक ने क्या किया?
उ. अठन्नी मिलने पर बालक ने सफ़ेद गुड़ खरीदना चाहा।
प्र.4 बालक की उम्र क्या थी?
उ. बालक की उम्र ग्यारह साल थी।
प्र.5 बालक के साथी उसे चिढ़ा-चिढ़ाकर क्या खा रहे थे?
उ. बालक के साथी उसे चिढ़ा-चिढ़ाकर गुड़ खा रहे थे।
प्र.6 बालक के घर में और कौन-कौन रहते थे?
उ. बालक के घर में उसके आलावा सिर्फ उसकी माँ रहती थी।
प्र.7 बालक की माँ क्या करती थी?
उ. बालक की माँ एक स्कूल में अध्यापिका थी।
प्र.8 गाँव के सिरे पर क्या थी?
उ. गाँव के सिरे पर एक छोटी सी मस्जिद थी।

प्र.9 मस्जिद में लोग क्यों इकट्ठे होने लगे थे?

उ. मस्जिद में लोग नमाज पढ़ने के लिए इकट्ठे होने लगे थे।

प्र.10 बालक ने दुकानदार से क्या माँगा?

उ. बालक ने दुकानदार से आठ आने का गुड़ माँगा।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 बचपन से ही माँ बालक को कैसे कहानियां सुनाती थी?

उ. बचपन से ही माँ बालक को ऐसी कहानियां सुनाती थी जिसमें यह बताया जाता था कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है वह अकेला नहीं है, उसके साथ ईश्वर भी है। वह अपने भक्तों की मदद जरूर करते हैं। ईश्वर सबकी सुनते हैं। ईश्वर प्रेम के भूखे होते हैं, न कि धन-दौलत के। इस प्रकार की कहानियां माँ बालक को सुनाती थी।

प्र.2 अठन्नी की जगह खपड़ा निकलने पर बालक पर क्या प्रभाव पड़ा?

उ. अठन्नी की जगह खपड़ा निकलने पर बालक का चेहरा एकदम से काला पड़ गया। सर घूम गया। जैसे शरीर का खून निकल गया हो। आँखें छलछला आईं। उसे लगा जैसे वह रो पड़ेगा। यही प्रभाव बालक पर पड़ा।

प्र.3 बालक को क्यों विश्वास था कि ईश्वर उसे जरूर गुड़ देंगे?

उ. बालक को इसलिए विश्वास था कि ईश्वर उसे जरूर गुड़ देंगे, क्योंकि जब वह बच्चा था तब उसकी माँ ने ईश्वर के प्रति अपनी आस्था प्रकट कर बताया था कि ईश्वर सब जगह है ईश्वर सबकी मदद करता है वो तुम्हारी भी मदद करेंगे। इस कारण से बालक को विश्वास था कि ईश्वर उसे जरूर गुड़ देंगे।

प्र.4 दुकानदार के प्यार से कहने पर भी बालक ने गुड़ लेने से इनकार क्यों कर दिया?

उ. दुकानदार के प्यार से कहने पर भी बालक ने गुड़ लेने से इसलिए इंकार कर दिया क्योंकि उसका कहना था कि उसने ईश्वर से गुड़ माँगा था, न कि दुकानदार से। दूसरों की दया उसे नहीं चाहिए। इस कारण से बालक ने दुकानदार से गुड़ लेने से मना कर दिया।

प्र.5 बालक के अंदर विचित्र सा उत्साह क्यों आ गया?

उ. ईश्वर का ख़याल आते ही बालक खुश हो गया उसके अंदर विचित्र सा उत्साह आ गया क्योंकि वह जानता था कि ईश्वर सबसे अधिक ताकतवर है। वह सभी जगह है और सबकुछ कर सकता है ऐसा कुछ भी नहीं जो ईश्वर नहीं कर सकता। बालक बचपन से ही उसकी पूजा अर्चना करता रहा, उसने कभी कोई गलत काम नहीं किया, कभी चोरी नहीं की। इसलिए बालक ने यह सब सोचा और इस भाव से भर उठा कि ईश्वर उसे जरूर गुड़ देगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 माँ के बटुए से पैसे चुराने का ख़याल आने पर बालक स्वयं को धिक्कारता है। हम किस तरह के काम करने का ख़याल मन में आते ही स्वयं को धिक्कारते हैं। अपने विचारों को प्रकट कीजिये।

उ. माँ के बटुए से पैसे चुराने का ख़याल आने पर बालक स्वयं को धिक्कारता है, और इस बुरे ख़याल के लिए ईश्वर से क्षमा मांगने लगा बालक के लिए माँ ही सब कुछ थी। माँ ने अपने बालक को कभी भी अकेला महसूस नहीं होने दिया। माँ कहती थी कि आप अकेले नहीं हैं। आपके साथ ईश्वर है, ईश्वर आपकी हमेशा मदद करेगा। इस प्रकार से माँ की ममता का अहसास बालक को हुआ जिसके कारण बालक माँ के बटुए से पैसे चुराने का ख़याल आने पर स्वयं को धिक्कारता है।

प्र.2 बालक माँ कि परिस्थिति को उसे दुखी नहीं करना चाहता था जब हम किसी चीज को पाने या लेने की जिद अपनी माता-पिता से करते हैं तो क्या हम उनकी स्थिति को समझते हैं? विचार कर लिखिए।

उ. बालक जब किसी चीज को पाने या लेने की जिद अपने माता-पिता से करते हैं तो हम उनकी स्थिति को समझते हैं हमें मालूम है कि जब घर में पैसा होता है तो कोई माँ बाप यह नहीं चाहता कि उनका बेटा खुश ना रहे हर माँ बाप चाहता है कि उसका बेटा सदा खुश रहे। उनकी ख़ुशी के लिए चाहे कितना भी पैसा खर्च करना पड़े खर्चा करने के लिए हर माँ पिताजी तैयार रहते हैं। बस उनके पास पैसा होना चाहिए। हमें उनकी भावनाओं को समझना चाहिए। और किसी प्रकार का आदेश उन पर नहीं थोपना चाहिए।

प्र.3 बालक ईश्वर से सफ़ेद गुड़ पाने की चाहत रखता है। आप सभी को अगर मौका मिले तो ईश्वर से क्या पाना चाहेंगे? अपनी भावनाओं को व्यक्त कीजिये।

उ. अगर हम सभी को मौका मिले तो ईश्वर से हम अपने परिवार वालों की सुख-समृद्धि पाना चाहेंगे, क्योंकि परिवार अगर खुश है तो हम भी खुश रहेंगे। परिवार हमारा पालन-पोषण कर हमें दुनिया में जीने लायक बनता है उस परिवार को जीते जी सुख-समृद्धि की कामना कर उसे हम सदा खुशहाल पाना चाहते हैं। हम हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा होकर उन्हें हिम्मत देना चाहते हैं, ताकि उन्हें कभी भी अकेलापन महसूस ना हो हम यही ईश्वर से पाना चाहेंगे।

पाठ – 7
समय नियोजन

- श्री समर बहादुर सिंह

प्र. 1 निम्नांकित तत्सम शब्दों का तद्भव रूप लिखिए-

क. कार्य
उ. काम
ख. अग्नि
उ. आग
ग. गृह
उ. घर
घ. आम्र
उ. आम
ङ. पद
उ. पैर
च. चन्द्र
उ. चन्द्रमा
छ. रात्रि
उ. रात
ज. सूर्य
उ. सूरज
झ. ग्राम
उ. गाँव
ञ. दुग्ध
उ. दूध

प्र.2 निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

I. गरम गाय का दूध अच्छा लगता है।
उ. गाय का गर्म दूध अच्छा लगता है।
II. एक फूलों की माला बनाइये।
उ. फूलों की एक माला बनाइये।
III. मेरे लिए ठंडी बर्फ लाओ।
उ. मेरे लिए बर्फ लाओ।

IV. मेरे को बाजार जाना है।

उ. मुझे बाजार जाना है।

V. मेरे आँख से आंसू बहता है।

उ. मेरी आँखों से आंसू बहते हैं।

प्र. 3 निम्नांकित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिये-

i. समयाभाव

उ. समय + अभाव

ii. आशातीत

उ. आश + अतीत

iii. विद्यार्थी

उ. विद्या + अर्थी

iv. शिवालय

शिव + आलय

v. जगन्नाथ

उ. जगत् + नाथ

अति लघुतरीय प्रश्न

1. 'समय नियोजन' पाठ के लेखक का नाम लिखिए।

   उ. 'समय नियोजन' पाठ के लेखक का नाम श्री समर बहादुर सिंह हैं।

2. समय नियोजन से लेखक का क्या तात्पर्य है?

   उ. समय नियोजन से लेखक का तात्पर्य है समय को विभिन्न कार्यों के लिए नियोजित करना।

3. भारत देश के प्रथम प्रधानमन्त्री कौन थे?

   उ. भारत देश के प्रथम प्रधानमन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू थे।

4. हमारे राष्ट्र पिता का नाम लिखिए।

   हमारे राष्ट्र पिता का नाम महात्मा गांधी है।

5. महात्मा गाँधी का पूरा नाम लिखिए।

   उ. महात्मा गाँधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी है।

6. जो समय की कद्र करते हैं उन्हें क्या प्राप्त होती है?

   उ. जो समय की कद्र करते हैं उन्हें जीवन में सुख समृद्धि और सफलता प्राप्त होती है।

7. समय और लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती यह कथन सत्य है या असत्य?

   उ. यह कथन सत्य है।

8. हम अक्सर किस बात की शिकायत करते हैं?

   उ. समय के अभाव तथा समय ना मिलने की हम अक्सर शिकायत करते हैं।

9. समय के सम्बन्ध में लोगों की अक्सर क्या शिकायत रहती है?
   उ. समय के सम्बन्ध में लोगों की अक्सर शिकायतें समयाभाव की रहती हैं।
10. हमें समय की क्या करनी चाहिए?
   उ. हमें समय की कद्र करनी चाहिए।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 नेहरूजी अपने कार्यों का समय प्रबंधन कैसे करते थे?

उ. नेहरूजी अपने कार्यों का समय प्रबंधन इस प्रकार से करते थे कोई भी काम नेहरू जी बचा कर नहीं रखते थे वे तुरंत उस कार्य का निपटारा करते थे ताकि कल के लिए कोई काम बचा न रहे। व्यस्तता के बावजूद नेहरू जी व्यायाम और मनोरंजन के लिए समय निकाल लेते थे इस प्रकार नेहरूजी समय का प्रबंधन करते थे।

प्र.2 समय नियोजन से लेखक का क्या तात्पर्य है?

उ. समय नियोजन से लेखक का आशय समय के उचित विभाजन से है। योजनाबद्ध तरीके से समय का विभाजन करने से प्रत्येक कार्य के लिए समय मिल जाता है।

प्र.3 समय विभाजन के अनुसार कार्य करने से क्या लाभ होते हैं?

उ. समय विभाजन के अनुसार कार्य करने से कोई भी व्यक्ति असफल नहीं होता। अत्यधिक व्यस्त रहते हुए भी सभी कार्यों के लिए पर्याप्त समय मिलता है' और उसे कभी समय की कमी महसूस नहीं होती है। दैनिक व्यायाम और मनोरंजन कर सकते हैं।

प्र.4 विद्यार्थियों के लिए समय नियोजन क्यों महत्वपूर्ण है?

उ. विद्यार्थियों के लिए समय नियोजन कई कारणों से अधिक महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को एक लंबा जीवन जीना है और सफलता की ऊंची से ऊंची मंजिलें तय करनी है। और विद्यार्थियों के जीवन में जो आदतें पड़ जाती हैं वो आदतें जीवन पर्यन्त बनी रहती हैं। इस कारण समय नियोजन महत्वपूर्ण है।

प्र.5 धन तो आता-जाता रहता है किन्तु गया समय फिर से वापस नहीं आता कैसे? स्पष्ट कीजिये।

उ. समय धन के समान है यदि धन चला गया तो मेहनत करके हमें वापस मिल सकता है लेकिन बीता हुआ समय कभी दुबारा नहीं आता है। इसलिए हमें धन से ज्यादा समय पर ध्यान देना चाहिए जिसने भी समय का सदुपयोग करना सीख लिए वह जीवन में कभी असफल नहीं होता है तथा उसके लिए तन-मन-धन और सुख समृद्धि के दरवाजे हमेशा के लिए खुले रहते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 समय और लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती हैं आप कोई ऐसी घटना बताइए जिसमें आपको समय निकल जाने के बाद पछताना पड़ा हो।

उ. समय और लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती यह बात सही है। एक बार जो समय निकल गया वह पुनः वापस नहीं आता। लहरें एक बार चली जाती है वही लहरें दुबारा वापस नहीं आतीं। मैं एक ऐसी घटना के बारे में बता रह हूँ जहाँ मुझे समय निकल जाने के बाद पछताना पड़ा। जब मैं अपनी दीदी की शादी में जाने के लिए रायपुर स्टेशन में परिवार के साथ आया, मेरा पूरा परिवार ट्रेन में बैठ गया और में वहीँ पास की दुकान में आइसक्रीम लेने चला गया जब वापस आया तो पता चला कि ट्रेन छूट गयी, मुझे मेरे किये पर बहुत पछतावा हुआ कि मैं दुबारा इस प्रकार की हरकत नहीं करूँगा जिससे मुझे और मेरे परिवार वालों को पछताना पड़े।

प्र.2 समय की कद्र न करने पर लोगों को कौन-कौन सी परेशानी हो सकती है, अपनी राय दें?

उ. समय की कद्र न करने पर लोगों को बहुत सी परेशानी हो सकती है-

i. परीक्षा चल रही है और हम समय पर परीक्षा केंद्र में उपस्थित न हुए तो हम अनुपस्थित हो जायेंगे और हमारा एक साल बर्बाद हो जायेगा।

ii. हमें बिलासपुर जाना है ट्रेन 9:05 मिनट पर रायपुर से निकलेगी और हम आराम से 9:20 बजे को आ रहे हैं इससे हमें समय और पैसे दोनों को खोना पड़ेगा जो हमें दुबारा नहीं मिलेगा। पैसा तो कमाने से मिल जायेगा लेकिन बीता हुआ समय दुबारा नहीं मिलेगा समय की कद्र न करने से इस प्रकार की परेशानी हो सकती है।

प्र.3 समय के महत्त्व पर 10 वाक्य लिखें।

उ. i. समय धन के समान होता है । अतः इसका उपयोग धन की भाँति सोच-समझकर करना चाहिए।

ii. हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए।
iii. समय के सदुपयोग से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति प्राप्त होती है।
iv. समय विभाजन के अनुसार ही हमें कार्य करना चाहिए।
v. विद्यार्थियों के लिए समय नियोजन अत्यंत आवश्यक है।
vi. समय मूल्यवान है।
vii. समय लहरों की तरह होता है जो किसी की प्रतीक्षा में खड़ा नहीं रहता।
viii. निर्धारित समय पर निश्चित कार्य करने से जीवन में सफलता मिलती है।
ix. हमें समय व्यर्थ में नष्ट नहीं करना चाहिए।
x. हमें समय की कद्र करनी चाहिए।

पाठ – 8

मेरा नया बचपन

- श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान

प्र. 1 निम्नांकित शब्दों के पहले 'वि' उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइये-

i. नम्र ii. शेष iii. सर्ग iv. तान v. कल vi. जय

उ. i. वि + नम्र = विनम्र

ii. वि + शेष = विशेष

iii. वि + सर्ग = विसर्ग

iv. वि + तान = वितान

v. वि + कल = विकल

vi. वि + जय = विजय

प्र.2 नीचे लिखे पंक्तियों को पढ़कर उनमें से विशेषण चुनकर लिखिए-

क. बार-बार आती है मुझको, मधुर याद बचपन तेरी।

उ. मधुर

ख. भोली सी मधुर सरलता, वह प्यास जीवन निष्पाप।

उ. भोली, मधुर, सरलता

ग. बड़े-बड़े मोती-से आंसू, जयमाला पहनाते थे।

उ. बड़े-बड़े

घ. उसकी मंजुल मूर्ति देखकर मुझमें नवजीवन आया।

उ. मंजुल

प्र.3 निर उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइये-

मोह, जन, धन, बल

उ. i. निर + मोह = निर्मोह

ii. निर + जन = निर्जन

iii. निर + धन = निर्धन

iv. निर + बल = निर्बल

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 इस कविता का शीर्षक 'मेरा नया बचपन' से क्या अभिप्राय है?

प्र. इस कविता में नए बचपन से आशय कवियीत्री की बिटिया के बचपन से है।

प्र.2 बच्ची क्या खाकर आयी थी?

उ. बच्ची मिट्टी खाकर आयी थी।

प्र.3 बच्ची अपनी माँ से क्या कह रही थी।

उ बच्ची अपनी माँ से मिट्टी खाने को कह रही थी।

प्र.4 हमारा बचपन कैसा होता है?
उ. हमारा बचपन निडर, निश्छल और स्वच्छंद होता है।

प्र.5 बचपन में हम किन चीजों से खेलना पसंद करते हैं?
उ. बचपन में हम हाथी, घोड़ा और अन्य प्लास्टिक के खलौने खेलना पसंद करते हैं।

प्र.6 माँ किस उम्र की बात हमेशा दुहराती थी?
उ. माँ जब बचपन की बातों को याद करती है तो उसे अपने बचपन के बिताये हुए पल याद आ जाते हैं।

प्र.7 'मेरा नया बचपन' कविता के कवियित्री का नाम लिखिए।
उ. 'मेरा नया बचपन' कविता के कवियित्री का नाम श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान है।

प्र.8 कवियित्री को बार बार क्या याद आ रही थी?
उ. कवियित्री अपनी बच्ची का बचपन देखकर बार-बार अपना बचपन याद कर रही थी।

प्र.9 कवियित्री अपने बचपन का सुखद अनुभव कब करती है?
उ. कवियित्री अपने बचपन का सुखद अनुभव अपनी नन्ही बिटिया को खेलते देख कर करती है।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 कवियित्री अपनी बच्ची के साथ किस प्रकार बच्ची बन जाती है?
उ. कवियित्री अपनी बच्ची को खेलते देखकर अपने भोले-भोले बचपन को हमेशा याद करती है। अपनी बच्ची के साथ खेलती है,खाती है, उसे की तरह तोतलाती है। इस प्रकार वह अपनी बच्ची के साथ मिलकर स्वयं बच्ची बन जाती है।

प्र.2 मनुष्य के जीवन की तीन अवस्थाओं में सबसे अच्छी अवस्था कौन-सी है और क्यों?
उ. मनुष्य के जीवन की तीन अवस्था बाल्यकाल (बचपन) युवा अवस्था और वृद्धावस्था है। तीनों अवश्ताओं में सबसे अच्छी अवस्था बाल्यावस्था है, क्योंकि यह समय अतुलित, चिंता मुक्त और निर्भय रहने का है।

प्र.3 बेटी की मंजुल मूर्ति देखकर, मुझमें नवजीवन आया के द्वारा कवियित्री क्या कहना चाहती है?
उ. कवियित्री कह रही है कि मेरी बिटिया के रूप में मैंने फिर से नया जीवन पाया है। उसकी सुन्दर छवि देखकर में अपना जीवन फिर से जी रही हूँ। "नवजीवन" से कवियित्री का बचपन से तात्पर्य है।

प्र.4 बच्ची को मिट्टी खाते देखकर माँ नाराज क्यों नहीं होती?

उ. बच्ची के मिट्टी खाते हुए चहरे पर ख़ुशी की लालिमा थी एक प्रकार का विजयी भाव उसके चहरे से झलक रहा था। वह अपनी माँ के खाने के लिए भी मिट्टी लाई थी। यह सब देखकर माँ नाराज नहीं होती है।

प्र.5 तुम्हें अपनी माँ क्यों अच्छी लगती है?
उ. हमें अपनी माँ अच्छी लगती है क्योंकि उन्होंने हमें जन्म दिया है प्यार से पाल-पोसकर बड़ा किया है वह हमारी सुख-सुविधा का ध्यान रखती है। वह हमारे दुःख में दुखी होती है और सुख में खुश हो जाती है इसलिए हमें अपनी माँ अच्छी लगती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 छोटे बच्चों का घर में होना हमारे मन में कौन सा भाव जागृत करता है? अपना विचार व्यक्त कीजिये।
उ. छोटे बच्चों का घर में होना हमारे मन में ममता का भाव जागृत करता है। बच्चे माँ बाप के सब कुछ होते हैं। बच्चे की एक किलकारी से पूरा घर गूँज उठता है। छोटे बच्चे के घर पर होने से पूरा परिवार खुशमय हो जाता है। परिवार वाले बच्चों के प्रति एक अपनत्व की भावना रखते हैं। बच्चों के घर में रहने से बुजुर्गों का समय अच्छा बीतता है।

प्र.2 हम किसी छोटे बच्चे को देखकर उसे पुनः जीना चाहते हैं आपको क्या लगता है, इसके पीछे क्या कारण हो सकता है?
उ. बाल्यावस्था में जो छूट बच्चों को मिलती है वह छूट किसी भी अवस्था में व्यक्ति को नहीं मिलती है। जो स्नेह व प्यार बच्चों को माता-पिता के द्वारा मिलता है वह और किसी अवस्था में व्यक्ति को नहीं मिलता। बचपन में जो पल बिताये हुए हैं, वह पल जब बच्चे खेलते या मस्ती करते देखते हैं तो वह याददाश्त फिर से ताजी हो जाती है और खूब मस्ती करते लेकिन हमारा बचपन बीत चुका है। लेकिन बचपन की याददास्त अभी ताज़ी है इसके पीछे माता-पिता का स्नेह व प्यार युक्त हमारे द्वारा बिताये गए सुखद पल ही इसके कारण हो सकते हैं।

प्र.3 कवियित्री ने इस कविता में किन-किन विशेषताओं का वर्णन किया है?
उ. कवियित्री ने इस कविता में बचपन की निम्नलिखित विशेषताओं का वर्णन किया है-
i. बचपन में उंच-नीच, छल-कपट तथा भेदभाव नहीं होता है।
ii. बच्चे चिंता रहित होकर खेलते-खाते हैं।
iii. बचपन में निडर तथा स्वच्छंद होकर घूमते हैं।
iv. बचपन का आनंद अतुलित होता है।
v. भोली-सी, मधुर बचपन सरलता से भरा होता है।

पाठ – 9

दू ठन नन्ही कहानी

- डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

प्र.1 खाली स्थान भरिये-

i. हीरा ह जतका सुघर होथे ओतके _____ घलो होथे।

उ. महँगी

ii. हीरा के चारों खूंट म _____ जाम गे रहय।

उ. कांदी

iii. हीरा के रिस ल देख के _____ ह सकपका गे ।

उ. झिंगुर

iv. ओस के बुंद _____ अउ _____ के गोठ ल कले चुप सुनत रहिस हे।

उ. हीरा, झींगुर

v. मोहन बाबू के घर _____ बड़ धूमधाम ले मनाये जाय।

उ. दुर्गा पूजा

प्र.2 अनेक शब्द के एक शब्द म उत्तर लिखव-

	प्रश्न	उत्तर
i.	जेकर बुध नइ राहय	- भोकवा
ii.	जेन कभू सच नइ बोलय	- लबरा
iii.	जेन बनी-भूति करथे	- बनिहार
iv.	जेन ह बैपार करथे	- बनिया
v.	जेन ह खेल-तमासा दिखाथे	- बंजारा

प्र.3 पाठ म आय समझ, कह, सोच, शब्द म 'इया' प्रत्यय लगाके नवा शब्द बनावव।

उ.i. समझ + इया = समझइया

ii. कह + इया = कहइया

iii. सोच + इया = सोचइया

iv. सकल + इया = सकलइया

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 हीरा उपर काकरो नजर काबर नइ परिस?

उ. हीरा उपर चारों खूंट ले कांदी जाम गे। एकरे सेती नजर नइ परिस।

प्र.2 हीरा ह कहाँ परे रहिस हे?

उ. हीरा ह जंगल म परे रहिस।

प्र.3 हीरा के चारों खूंट म का जाम गे रहय?

उ. हीरा के चारों खूंट म कांदी जाम गे रहय।

प्र.4 कांदी के पत्ता म का रहय?

उ. कांदी के पत्ता म ओस के बूँद रहय।

प्र.5 झिंगुरा ह हिरा ल का कहिथे ?

उ. झिंगुरा ह हिरा ल कहिथे – हे महाराज मोर असन छोटे जीव के उपर तुहर कृपा बने रहय।

प्र.6 संझा के बेर आसमान ह कइसे दिखथे?

उ. साँझा के बेर सूरज के पिंवरा किरन ह बादर ल सोन के पानी म पोते कस पिंवरा दिस। पिंयर-पिंयर दिखथे। बादर ह अइसे लगथे जैसे सोन बगरे हे।

प्र.7 बिपीन ह नंदिया के तीर म बइठे-बइठे का सोचथे?

उ. बिपीन ह सोचथे कहुं मैं बादर म चढ़े सकतेंव त बोरा भर सोन सकेल के ला लेतेव। मोर गरीबिन महतारी ह सुख के दिन ल देख लेतिस।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 झिंगुरा ह ओस के बूँद ल हीरा के सगा काबर कहिस?

उ. ओस के बूँद मोती कस चमकत रहय, एखर कारण झिंगुरा ह ओला हीरा के सगा कहिस।

प्र.2 पियासे चिरई ह का जिनिस ल देख के खालहे उतरिस।

उ. पियासे चिरई ह हीरा ल ओस के बूँद समझ के खालहे उतरिस।

प्र.3 चिरई ह अपन चोंच ल ओस के बूँद समझ के मारिस त ओला का लगिस?

उ. चिरई ह अपन चोंच ल ओस के बूँद समझ के मारिस त ओला अपन चोंच ल पखरा म मारे कस लागिस।

प्र.4 ओस के बूँद ह हीरा अउ चिरइ के बात ल सुन के मन म का विचार करथे?

उ. ओस के बूँद ह दूनो के बात ल सुन के विचार करिस के ओकर जीवन अउ सुघरइ ह धन्य होथे जे मन पर के खातिर अपन परान ल घलो त्याग देथे।

प्र.5 झिंगुरा ह कांदी में सपट के कोन से घटना ल देखिस अउ का सोचिस?

उ. झिंगुरा ह कांदी म सपटे-सपटे ऐ घटना ल देखिस अउ सोचिस के एक के हिरदे ह पथरा बरोबर कठोर हे त दूसर के म माया-दया के अमृत भरे हे।

प्र.6 माधो बाबू ल अपन महतारी के काबर सुरता आगे?

उ. माधो बाबू ल अपन महतारी के सुरता ऐकर पाए आथे, उहाँ सजे-सजे नारी-परानी मन ल देख के माधो बाबू ल अपन महतारी के सुरता आगे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 'हीरा अऊ ओस के बूँद' कहानी म एक के हिरदे ह पथरा बराबर कठोर हे त दूसर के हिरदे म मया।

उ. 'हीरा अऊ ओस के बूँद' कहानी म एक के हिरदे ह पथरा बरोबर कठोर हे त दूसर के हिरदे म माया-दया के अमरित भरे हवय ऐकरे पाए हीरा चिरइ ल कहिस "अरे चिरइ! काली के मरइया तैं आजे मर जा।" ओस ह कइथे मोला पिये ले तुंहर परान बांच जाहि न, मोर नानकुन जीवन अऊ मोती कस सुघरइ ह धन्य हो जाही ऐकरे बर कहिस एक के हिरदे म पथरा बरोबर कठोर हे त दूसर के हिरदे म माया-दया के अमरित भरे हवय।

प्र.2 सजे-धजे नारी-परानी ल देख के बिपीन ह का सोचथे?

उ. सजे-धजे नारी-परानी मन ल देख के बिपीन ल अपन गरीब महतारी के सुरता आगे। बिपीन के बाप ल बीते गजब दिन होगे रिहिस। बपुरी दाइ ह बनी भूति करके घर के खरचा चलावथे। ओहा सोचथे- इंहा सोना-चंडी ले लदाय नारी परानी मन हँसी ठट्ठा करता किंजरत हवंय अउ उहाँ बिचारी दाइ ह बनी भूति म थके मांदे आके मोर बर भात रांधत होही। कतेक दूनो घर में।

प्र.3 काखर मन के जिनगी ल धन्य केहे जा सकत हे? हीरा अउ ओस के बूँद के उदहारण ले समझा के लिखव।

उ. हीरा अउ ओस के बूँद दोनों चमकदार अउ सुघ्घर होथे। फेर हीरा ह कठोर होथे अउ ओखर से काखरो परान नई बांच सके। जबकि ओस के बूँद ह नानकुन होथे फेर ओहा नरम, बलिदानी अउ परमार्थी होथे। एखर ले केहे जा सकथय कि ओस के बूँद के जिनगी ह धन्य होथे।

पाठ – 10
हम पंछी उन्मुक्त गगन के

- डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन'

प्र.1 तत्सम शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिये-

i. पक्षी – पंछी
- पक्षी आसमान में उड़ना पसंद करते हैं।

ii. स्वर्ण – सोना
- अमृतसर का मंदिर स्वर्ण से निर्मित है।

iii. विघ्न – बाधा
- गजानन सभी लोगों का विघ्न हरता है।

iv. स्वप्न – सपना
- रात में मैंने एक स्वप्न देखा।

v. श्वास – श्वसन
- सभी जीव-जंतु श्वास लेते हैं

vi. आश्रय – सहारा
- राम अपने माँ बाप का आश्रय था।

vii. श्रृंखला – कतारबद्ध
- बच्चे प्रार्थना में श्रृंखलाबद्ध खड़े होते हैं।

viii. उन्मुक्त – स्वतंत्र
- धरती में सभी जीव-जंतु उन्मुक्त जीवन जीना चाहते हैं।

प्र.2 निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

i. गगन – अम्बर, नभ
ii. किरण – कर, रश्मि
iii. आश्रय – सहारा, आधार
iv. पंख – पर, डैना
v. जल – वारि, नीर
vi. कनक – सोना, धतूरा
vii. वृक्ष – पादप, पेड़
viii. आसमान – आकाश, अनिल
ix. पक्षी – खग, पंछी
x. नीड़ – घोसला, मांद

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता के कवि का नाम लिखिए।

उ. 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता के कवि का नाम डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन' है।

प्र.2 कवि ने उन्मुक्त गगन के पंछी किसे कहा है?

उ. कवि ने उन्मुक्त गगन के पंछी स्वतंत्र नागरिक अथवा जीव को कहा है।

प्र.3 पुलकित पंखों का आशय क्या है?

उ. प्रसन्न होकर जो पंख विचरण करते थे उन्हें पुलकित पंख कहा गया है।

प्र.4 कनक तीलियों से कवि का क्या आशय है?

उ. कनक तीलियों से कवि का आशय पिंजरे के सोने के तारों से है।

प्र.5 'अपनी गति उड़ान सब भूले' इसका आशय स्पष्ट करो।

उ. पिंजरे में कैद होकर हम अपने पंखों की गति और उड़ना सब कुछ भूलने लगे हैं।

प्र.6 पंछी कहाँ कैद थी?

उ. पंछी सोने के पिंजरे में कैद थी।

प्र.7 पंछी कहाँ तक उड़ना चाहती थी?

उ. पंछी सीमाहीन क्षितिज तक उड़ना चाहती थी।

प्र.8 पंछी कहाँ का जल पीना चाहती थी?

उ. पंछी बहते हुए नदी का जल पीना चाहती थी।

प्र.9 पंछी किसको चुगना चाहती थी?

उ. पंछी तारों के समान दिखने वाले अनार के दानों को चुगना चाहती थी।

प्र.10 'या तनती साँसों की डोरी' का आशय क्या है?

उ. या फिर हम थककर रुक जाते हैं।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 पिंजरबद्ध पंछी के क्या-क्या अरमान थे?

उ. पिंजरबद्ध पंछी के अरमान थे कि उड़ते हुए नील गगन (आसमान) की सीमा जहां समाप्त होती है, वहां तक जाते और अपने लाल रंग की किरण सी चोंच को खोलकर तारों जैसे अनार के दानों को चुगते।

प्र.2 हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पंछी पिंजरे में अपने आप को बंद क्यों नहीं रखना चाहता है?

उ. पंछी स्वतंत्र विचरण करने वाला जीव है। पिंजरे में वह कैदी बन जाता है जहाँ उसे कुछ भी करने की आजादी नहीं मिलती है। इस कारण पंछी पिंजरे में अपने आप को बंद नहीं रखना चाहता है।

प्र.3 उन्मुक्त गगन के पंछी से क्या आशय है?

उ. पंछी कह रहे हैं कि हम स्वतंत्र विचरण करने वाले पंछी हैं हमें पिंजरे में कैद होकर रहना पसंद नहीं है। उन्मुक्त गगन के पंछी से यही आशय है।

प्र.4 कनक पिंजरे में कौन-कौन सी सुविधाएं पंछी को मिल जाती है?

उ. कनक (सोने के) पिंजरे में सोने की कटोरी में मैदा व पीने को पानी मिलता है।

प्र.2 स्वर्ण..... श्रृंखला के बंधन में अपनी गति, उड़ान सब भूले, से कवि का क्या आशय है?

उ. पंछी कह रहे हैं कि सोने की जंजीर से जकड़े हुए हम अपनी गति और उड़ान सब भूलने लगे हैं। इन्हें बस सपनों में देख रहे हैं। वृक्ष के सिरे पर बैठकर झूलना तो अब बस सपनों की बात बन गयी है। यही कवि का आशय है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 आपको कोई पिंजरे में बंद कर दे और आपको आपकी आवश्यकता की सारी सुविधाएं दे, तो क्या आप पिंजरे में बंद रहना पसंद करेंगे? हाँ अथवा न कारण सहित उत्तर दीजिये।

उ. हमको कोई पिंजरे में बंद कर दे और हमारी आवश्यकता की सारी सुविधाएं दे तो भी हम पिंजरे में बंद रहना पसंद नहीं करेंगे क्योंकि परतंत्रता के बंधन के महल से हमें स्वतंत्रता की झोपड़ी अच्छी लगती है, कारण बंधन में रखकर कोई हमें खीर, पूड़ी खिलाये उससे हमें स्वतंत्रता की सूखी रोटी ज्यादा स्वादिष्ट लगती है। इन सारी सुविधाओं के बावजूद हम पिंजरे में रहना पसंद नहीं करेंगे।

प्र.2 मनुष्य की वर्तमान जीवन शैली पक्षियों को किस प्रकार से प्रभावित कर रही है?

उ. मनुष्य की वर्तमान जीवन शैली पक्षियों को इस प्रकार से प्रभावित कर रही है, आज बड़े-बड़े बिल्डिंग अत्यधिक कारखानों के खुल जाने से पक्षियों को उड़ने में परेशानियाँ हो रही हैं। जगह-जगह मोबाईल के टावर लगने से भी पक्षियों को जीवन व्यतीत करने में अत्यधिक परेशानियाँ हो रही हैं। टावरों से निकलने वाले रेडियेशन, प्रकाश से पक्षियों की मृत्यु होती जा रही है, बढ़ती मानव जनसंख्या से जंगलों की अत्यधिक कटाई भी पक्षियों की जीवन को प्रभावित कर रही है।

प्र.3 पिंजरे में बंद पंछी और एक स्वच्छंद पंछी दोनों की जीवन शैली में क्या-क्या समानता और अंतर होता है?

उ. पिंजरे में बंद पंछी का आशय परतंत्रता और स्वच्छंद पंछी का आशय जो दूसरों के नियंत्रण में न रहे स्वतंत्र। दोनों की जीवन शैली में समानता यह है कि दोनों को भोजन-पानी मिलता है लेकिन अंतर यह होता है कि पिंजरे में बंद पंछी केवल पिंजरे में अपना जीवन व्यतीत करता है लेकिन स्वच्छंद पक्षी कहीं भी अपनी मर्जी से उड़ सकता है उसे किसी प्रकार का कोई बंधन नहीं होता है।

पाठ – 11
शहीद की माँ

- डॉ. कृष्ण गोपाल रस्तोगी

प्र.1 निम्नलिखित अनुच्छेद में रिक्त स्थानों को कोष्ठक में दिए गए उचित शब्दों से भरकर पूरा कीजिये-

अन्य साधारण स्त्रियों की..... (तरह/वजह) मैं भी रोने – चीखने लगूंगी। यह न लेकिन ..... (बेटे/बेटी) तूने यह न सोचा कि जिस माँ ने तुझे ..... (जवानी/बचपन) से ही त्याग, वीरता और देश-प्रेम का पाठ पढ़ाया है, आज अपनी..... (हिम्मत/मेहनत) को फलते-फूलते देखकर उसे..... (कष्ट/सुखी) क्यों होगा? "आज का दिन तो मेरे लिए सबसे ..... (बड़ी/छोटी) ख़ुशी का दिन है।"

उ.: तरह, बेटे, बचपन, मेहनत, कष्ट, बड़ी

प्र.2 समानार्थी शब्दों का जोड़ी मिलाइए-

i.	सरफरोशी	-	त्याग
ii.	तमन्ना	-	हत्यारा
iii.	कातिल	-	अंतर
iv.	कुर्बानी	-	सभा
v.	हुक्म	-	सिर काटना
vi.	महफ़िल	-	इच्छा
vii.	फर्क	-	आदेश

उत्तर:

i.	सरफरोशी	-	सिर काटना
ii.	तमन्ना	-	इच्छा
iii.	कातिल	-	हत्यारा
iv.	कुर्बानी	-	त्याग
v.	हुक्म	-	आदेश
vi.	महफ़िल	-	सभा
vii.	फर्क	-	अंतर

प्र.3 निम्नलिखित शब्दों में विलोम शब्द छांटकर जोड़ी मिलाइए-

i.	नीति	अविश्वास
ii.	रुचि	अन्याय
iii.	सत्य	अपवित्र
iv.	मान्य	अरुचि
v.	धर्म	अनीति

vi.	विश्वास	असत्य
vii.	न्याय	असफलता
viii.	स्थिर	अमान्य
ix.	पवित्र	अधर्म
x.	सफलता	अस्थिर

उ.

i.	नीति	अनीति
ii.	रुचि	अरुचि
iii.	सत्य	असत्य
iv.	मान्य	अमान्य
v.	धर्म	अधर्म
vi.	विश्वास	अविश्वास
vii.	न्याय	अन्याय
viii.	स्थिर	अस्थिर
ix.	पवित्र	अपवित्र
x.	सफलता	असफलता

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 'शहीद की माँ' पाठ के लेखक का नाम लिखिए।

उ. 'शहीद की माँ' पाठ के लेखक का नाम श्री योगेश चन्द्र शर्मा है।

प्र.2 अपनी आँखों में आंसू आने का माँ ने क्या कारण बताया?

उ. आँखों में आंसू आने का कारण माँ ने बताया कि ये तो ख़ुशी के आंसू हैं।

प्र.3 भारतीय स्वतंत्रता संग्राम कितने रूपों में लड़ा जा रहा था?

उ. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम दो रूपों में लड़ा जा रहा था।

प्र.4 क्रांतिकारियों को हथियार खरीदने के लिए क्या चाहिए था?

उ. क्रांतिकारियों को हथियार खरीदने के लिए धन चाहिए था।

प्र.5 राम प्रसाद बिस्मिल से मिलने कौन आयी थी?

उ. राम प्रसाद बिस्मिल से मिलने उसकी माँ आयी थी।

प्र.6 किसको फांसी की सजा सुनाई गई?

उ. राम प्रसाद बिस्मिल को फांसी की सजा सुनाई गई।

प्र.7 अंग्रेजों ने अपना जाल फैलाकर किसे पकड़ लिया?

उ. अंग्रेजों ने अपना जाल फैलाकर राम प्रसाद बिस्मिल को पकड़ लिया।

प्र.8 राम प्रसाद बिस्मिल क्रन्तिकारी दल के क्या थे?

उ. राम प्रसाद बिस्मिल क्रन्तिकारी दल के नेता थे।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 राम प्रसाद बिस्मिल कौन थे?

उ. राम प्रसाद बिस्मिल क्रन्तिकारी थे। काकोरी नामक स्थान पर रेलगाड़ी रोककर खजाना लूटने के आरोप में उन्हें फांसी की सजा हुई।

प्र.2 'बिस्मिल' ने माँ के सामने कौन सी इच्छा प्रकट की?

उ. 'बिस्मिल' ने माँ के सामने इच्छा प्रकट की कि जब आजादी का पहला जश्न मनाया जाए तब मेरी तस्वीर को ऐसे स्थान पर रख देना जहाँ से मैं सारा जश्न उस तस्वीर के जरिये देख सकूं। लेकिन मेरी उस तस्वीर को कोई ना देख सके।

प्र.3 जेल में आयी अपनी माँ से मिलने के लिए 'बिस्मिल' हिचकिचा क्यों रहे थे?

उ. अपनी एक दिन की जिंदगी को देखकर माँ को कितना दुःख होगा और माँ की भीगी आँखें कहीं मेरी कदमों को डगमगा न दें। मुझे मेरी मौत के लिए अफसोस ना होने लगे यही सोचकर जेल में आयी अपनी माँ से मिलने के लिए हिचकिचा रहे थे।

प्र.4 'मुझे मेरी मौत के लिए अफ़सोस ना होने लगे' 'बिस्मिल' ने ऐसा क्यों कहा?

उ. 'मुझे मेरी मौत के लिए अफ़सोस ना होने लगे' 'बिस्मिल' ने ऐसा इसलिए कहा मेरी तस्वीर को देखकर लोगों को मेरी याद आयेगी और तब शायद उस ख़ुशी के मौके पर आँखें गीली हो जाएँ। मेरे देश को आजादी मिले और उस दिन मेरे देशवासी आंसू बहाएं यह मुझसे सहन नहीं होगा इसे कारण बिस्मिल ने ऐसा कहा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 अपने देश का ऐसा दीवाना बना कि जन्म देने वाली अपनी माँ को भी भूल गया। माँ के ऐसा कहने में कौन-से भाव रहे होंगे? विचार कर लिखिए।

उ. अपने देश का ऐसा दीवाना बना कि जन्म देने वाली माँ को भूल गया। माँ के ऐसा कहने के मातृत्व भाव रहे होंगे। राम प्रसाद बिस्मिल को एक दिन बाद फांसी होने वाली है, उन्हें मिलने के लिए उनकी माँ आती है किन्तु रामप्रसाद सोचते हैं कि उन्हें देखकर उनकी माँ दुखी

होगी इसलिए वे माँ से मिलना नहीं चाहते। तब माँ कहती अपने देश का ऐसा दीवाना बना कि जन्म देने वाली अपनी माँ को भी भूल गया।

प्र.2 मैं चट्टान की तरह अटल हूँ और ईश्वर को अर्पित किये गये किसी फूल की मुस्कान मेरे रग-रग में है मगर यह हिम्मत नहीं है। जेलर साहब से बिस्मिल ने ऐसा क्यों कहा होगा?

उ. जब माँ बिस्मिल से मिलने आती है तो बिस्मिल माँ से मिलने के लिए मना कर देता है कि तुम्हें अपने आप में विश्वास नहीं है तब बिस्मिल कहता है मैं तो फूल की तरह भारतमाता के चरणों में पहले समर्पित हो चूका हूँ। फांसी तो दिखावा है लेकिन फिर भी वे सोचते हैं कि मेरी एक दिन की जिन्दगी को देखकर माँ को दुःख होगा। और मैं उन्हें नहीं देख सकता। जेलर साहब से बिस्मिल ने ऐसा कहा।

प्र.3 "जिस माँ ने तुझे बचपन से ही त्याग, वीरता और देशप्रेम का पाठ पढ़ाया है, आज अपनी मेहनत को फलते-फूलते देखकर उसे कष्ट क्यों होगा?" बिस्मिल की माँ का यह कहना किस भाव का सूचक है?

उ. मैं एक वीर देशभक्त की माँ हूँ जिसने अपने बेटे को बचपन से ही मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की शिक्षा दी है और मेरी शिक्षा पूरी होने जा रही है। आज का दिन तो इस माँ के लिए बड़े गर्व का दिन है। बिस्मिल की माँ का यह कहना अपने बेटे के लिए देशप्रेम के लिए मातृत्व भाव का सूचक है।

पाठ – 12
सर्वधर्म समभाव

- डॉ. कृष्ण गोपाल रस्तोगी

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(मानव, पानी, मानव धर्म, मुग़ल, अनेक)

1. धार्मिक सहिष्णुता और ..... सर्वोपरि है।
   उ.: मानवधर्म
2. हमारी शत्रुता ..... साम्राज्य से है।
   उ.: मुगल
3. संसार में .... धर्म है।
   उ.: अनेक
4. युद्ध भूमि में शत्रु सेना के घायल सिपाहियों को ..... पिला रहे थे।
   उ.: पानी
5. घायल सिपाहियों को पानी पिलाना ..... धर्म है।
   उ.: मानव

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. सर्वधर्म समभाव के लेखक कौन है?

उ. सर्वधर्म समभाव के लेखक डॉ. कृष्ण गोपाल रस्तोगी हैं।

2. सर्वधर्म समभाव किसे कहते हैं?

उ. सभी धर्मों के नियमों का सामान रूप से पालन करना ही सर्वधर्म समभाव है।

3. राणा प्रताप ने कुंवर अमर सिंह को बधाई क्यों दी?

उ. राणा प्रताप ने कुंवर अमर सिंह को मुगलों पर विजय प्राप्त करने पर बधाई दी।

4. महाराणा प्रताप का आदर्श क्या है?

उ. महाराणा प्रताप का आदर्श सर्वधर्म समभाव अर्थात् धार्मिक सहिष्णुता और मानवधर्म है।

5. घायल सिपाहियों को पानी पिलाना कौन सा धर्म है?

उ. घायल सिपाहियों को पानी पिलाना मानवधर्म है।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. सर्व धर्मभाव से आप क्या समझते हैं?

उ. सर्वधर्म समभाव का अर्थ है- सभी धर्म सामान हैं। संसार में कोई भी ऐसा धर्म नहीं है, जिसमें समन्व कल्याण, विश्वबंधुत्व, विश्वशांति का सन्देश न दिया गया हो। अतः हमारा कर्तव्य है हम सभी धर्मों का आदर करें क्योंकि कोई भी धर्म छोटा या बड़ा नहीं होता। सभी समान हैं।

2. शिष्यों ने गुरु गोविन्द सिंह से क्या शिकायत की?

उ. एक सिक्ख सैनिक युद्ध के मैदान में सिक्ख भाइयों के साथ-साथ दुश्मन के घायल सिपाहियों को भी पानी पिला रहा था, शिष्यों ने सोचा – लगता है यह दुश्मन से मिला है, इसे दण्ड मिलना चाहिए, यह शिकायत की।

3. राष्ट्र धर्म और मानव धर्म का एक-एक उदहारण दीजिये।

उ. युद्ध में शत्रु सैनिक का डटकर मुकाबला करना राष्ट्र धर्म है जबकि घायल सैनिक को पानी पिलाना मानव धर्म है।

4. एक माला में भिन्न-भिन्न प्रकार के फूलों की बात किस सन्दर्भ में कही गई है?

उ. एक माला में भिन्न-भिन्न प्रकार के फूलों की माला से आशय यह है कि पूरे भारत वासी एक माला हैं और यहाँ भिन्न-भिन्न धर्म, सम्प्रदाय जाति भिन्न-भिन्न प्रकार के फूल हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. सभी धर्मों में मानव सेवा सर्वोच्च माना गया है आपके विचार से मानव सेवा किसे कहेंगे? उदा. सहित बताइये।

   उ. किसी बेसहारा को सहारा देना; अनाथों के मदद करना, विकलांगों या प्राकृतिक रूप से विशेष आवश्यकता वाले मानवों की सेवा करना इसे मानव सेवा कहेंगे।

   उदहारण- जब मैं सड़क पार कर रहा था तब मेरी नजर एक वृद्धजन पर पड़ी। वह सड़क पार करने में असमर्थता जाहिर कर रहा था, उसे मैंने हाथ पकड़कर सड़क पार करवाया। इस प्रकार से यह कार्य कर मानव सेवा कर सकते हैं।

2. देश की एकता और अखंडता के लिए हमें क्या करना चाहिए? अपने विचार लिखिए।

   उ. भारत के संविधान के अनुसार सभी को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त है, इसलिए देश की एकता और अखंडता के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रत्येक भारतवासी अपने अपने धर्म का पालन करता हुआ अन्य धर्म के प्रति घृणा या द्वेष का भाव न रखे। ईश्वर, अल्लाह, गाड आदि ईश्वर के ही अनेक नाम है, देश की एकता और अखंडता के लिए हमें सभी धर्मों का आदर करना चाहिए।

3. महाराणा प्रताप व गुरु गोविन्द सिंह में कौन सी समानताएं थी?

   उ. महाराणा प्रताप व गुरु गोविन्द सिंह में यह समानता है कि दोनों ही शत्रु के प्रति एक मानवता की भावना प्रकट कर कहते हैं कि शत्रु के परिवार व स्त्रियों से हमारी कोई दुश्मनी नहीं। ये महाराणा प्रताप का कथन है। गुरु गोविन्द का शिष्य जब घायल सैनिक को पानी पिलाता है तो उसके और उस शिष्य के विरुद्ध गुरु गोविन्द सिंह के पास शिकायत कर कहते हैं कि उन्होंने दुश्मन को पानी पिलाया तब गुरु गोविन्द कहते हैं कि कोई मुश्किल में है तो उसकी सहायता करना मानव का धर्म होना चाहिए। यह गुरु गोविन्द और महाराणा प्रताप में समानताएं थीं कि मुसीबत में लोगों की सहायता करें।

पाठ – 13
आलसी राम

- श्री नारायण लाल परमार

प्र. 1 नीचे लिखे शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए-

शब्दः राग, अंधियारी, मोल, स्वर्ग, वर्तमान

उ.

शब्द	विरुद्धार्थी शब्द
1. राग	विराग
2. अंधियारी	उजियारी
3. मोल	अनमोल
4. स्वर्ग	नर्क
5. वर्तमान	भूत

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. अंगद की पत्नी अपने बच्चों का पालन-पोषण कैसे करती थी?
   उ. अंगद की पत्नी अपने बच्चों का पालन पोषण गाँव का कूटना पीसना करके करती थी।
2. कोचरू पटेल के खेत में कौन सी घटना घटी?
   उ. कोचरू पटेल के खेत में ककड़ियां चुराने की घटना घटी।
3. पंचों ने अंगद को क्या सजा दी?
   उ. पंचों ने अंगद को एक रस्से से बांधकर कुएँ में उतारा और दो-चार डुबकियाँ लगवायी गयी।
4. सजा मिलने पर अंगद के जीवन में क्या परिवर्तन आया?
   उ. सजा मिलने पर अंगद काम में जुट गया जिससे उसकी पत्नी बच्चे और सारा गाँव खुश हो गया।
5. अंगद को सजा देने का क्या उद्देश्य था?
   उ. अंगद को सजा देने में पंचों का उद्देश्य उसके आलस को समाप्त करना था।

लघुत्तरीय प्रश्न –

1. अंगद का नाम आलसी राम क्यों पड़ा?
   उ. अंगद का नाम आलसी राम उसके आलसीपन के कारण पड़ा क्योंकि वह कुछ भी काम धंधा नहीं करता था दिन भर खाली-पीली निठल्ला बैठा रहता था।

2. साल के बारह महीने के नाम हिंदी में लिखिए।

उ. 1. चैत्र 2. बैसाख
3. ज्येष्ठ 4. आषाढ़
5. श्रावण/ सावन 6.भादों
7. क्वार 8. कार्तिक
9. अगहन 10. पौष
11. माघ 12. फाल्गुन

3. अंगद को बदलने के लिए उसकी पत्नी ने कौन से तरीके अपनाई?
उ. अंगद को बदलने के लिए उसकी पत्नी ने घर आता तो उसे भोजन न देना, कभी-कभी दरवाजा बंद रखने की तरकीब अपनाई।
4. अंगद की सजा को गुप्त रखने के क्या कारण थे?
उ. अंगद की सजा को गुप्त रखने का उद्देश्य यह रहा होगा कि इस सजा के बारे में यदि अंगद को पहले पता चल जाता तो वह इस सजा से बचने का प्रयास करता।
5. कहानी में आलसी राम किसका नाम रखा गया है?
उ. कहानी में आलसी राम अंगद का नाम रखा गया है। उसका यह नाम इसलिए रखा गया कि वह जहाँ बैठ जाता फिर उठने का नाम नहीं लेता।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. ठेठवार की बातों का लोगों ने विश्वास क्यों नहीं किया?
उ. ठेठवार की बातों का लोगों ने विश्वास इसलिए नहीं किया क्योंकि अंगद आलसी था। लोगों को लगता था कि यह तो आलसी राम है; यह कुछ नहीं कर सकता। अंगद को किसी से कोई मतलब नहीं था, न तो उसकी किसी से राम-रमौवल थी, न किसी से दुश्मनी। जहाँ वह बैठ जाता फिर उठने का नाम न लेता। इसलिए लोगों को ठेठवार की बातों पर विश्वास नहीं हुआ।
2. अंगद अंगद ही था कथन को स्पष्ट कीजिये?
उ. रामायण की कथा में बाली पुत्र अंगद की एक विशेषता थी कि वह न चाहे तो किसी भी स्थान से उसे कोई भी हिला नहीं सकता था, चाहे वह कितना भी पराक्रमी क्यों न हो। महाबली रावण भी अंगद के पाँव को नहीं हटा पाए थे। इस कारण आलसी अंगद पर किसी भी बातों का कोई असर नहीं होता था।
3. किस घटना ने अंगद को चोर सिद्ध कर दिया?

उ. एक रात को महंगू ने अपनी बाड़ी में सुना, "ओ भाई कलिंदर तुम सुन्दर हो, पक चुके हो खालूं क्या दो चार? एक क्या खाओ न हजार" और उसके बाद दो-चार तरबूज तोड़कर भागने की आवाज। इस घटना ने अंगद को चोर सिद्ध कर दिया।

4. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिये-

1. पेट पालना, 2. राह देखना, 3. राम-रामौवल, 4. दंग रह जाना

1. पेट पालना – जीवन निर्वाह करना

वाक्य - वतर्मान समय में गरीबों के लिए पेट पालना एक कठिन कार्य है।

2. राह देखना – रास्ता देखना

वाक्य – अंगद की पत्नी उसकी राह देखती रहती थी।

3. राम-रामौवल – हितैषी रहना

वाक्य - आलसी अंगद की न ही किसी से राम-रामौवल थी न ही दुश्मनी थी।

4. दंग रह जाना – आश्चर्य चकित होना

वाक्य – ताज महल को देखकर सब दंग रह जाते हैं।

5. श्रम की महत्ता विषय पर टिप्पणी लिखिए-

i. परिश्रम करने से व्यक्ति स्वस्थ व उसकी मांस पेशियां मजबूत होती हैं।
ii. श्रम से ही व्यक्ति की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।
iii. परिश्रम के द्वारा ही निम्नस्तर से सफलता के उच्चतम स्तर तक जाया जा सकता है।
iv. बिना परिश्रम के सफलता नहीं मिलती।
v. परिश्रम से ही उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सकती है।
vi. श्रमिक व्यक्ति स्वाभिमान और निर्भीक होते हैं।
vii. श्रम से शरीर का व्यायाम हो जाता है।
viii. परिश्रम से शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है।
ix. परिश्रम का फल सदैव मीठा होता है।

पाठ – 14
नाचा के पुरखा: दाऊ मंदराजी

- लेखक मण्डल

प्र.1 खाल्हे लिखाय शब्द मन के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखव-

(नीचे लिखे शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए)

1. संगवारी
   उ. मितान संगी
2. जिनगी
   उ. जिंदगी, जीवन
3. बेटा
   उ. पुत्र, सुत
4. मनखे
   उ. मनुष्य, लोग
5. प्रेम
   उ. मया, पिरित
6. तन
   उ. शरीर, काया
7. अंजोर
   उ. प्रकाश, उजाला

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

1. लोकनाट्य ह कतेक जुन्ना माने गे हे?
   उ. लोक नाटी ह ओतकेच जुन्ना आय जतके मनखे के जिनगी।
2. छत्तीसगढ़ी के पहिली संगठित नाचा पार्टी के नाव बतावव?
   उ. छत्तीसगढ़ी के पहिली संगठित नाचा पार्टी के नाव 'खेली रिंगनी साज' रिहिस।
3. छत्तीसगढ़ी के पहिली नाचा पार्टी बनाइया के का नाव रिहिस?
   (छत्तीसगढ़ का प्रथम नाचा पार्टी बनाने वाले का क्या नाम था?)
   उ. छत्तीसगढ़ी के पहिली नाचा पार्टी बनाइया के का नाव दाऊ मंदराजी रिहिस।
   (छत्तीसगढ़ का प्रथम नाचा पार्टी बनाने वाले का नाम दाऊ मंदराजी था।)
4. मंदराजी दाऊ के माता-पिता के नाम लिखव।
   (मंदराजी दाऊ के माता-पिता के नाम लिखिए।)

उ. मंदराजी दाऊ के माता के नाव रेवती बाई अऊ पिताजी के नाव दाऊ रामाधीन रिहिस।

(मंदराजी दाऊ की माँ का नाम रेवती बाई और पिताजी का नाम दाऊ रामाधीन था।)

5. दुलारसिंह साव मंदराजी के जनम कब अऊ कहाँ होय रिहिस?

(दुलारसिंह साव मंदराजी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?)

उ. दुलारसिंह साव मंदराजी के जनम 1 अप्रेल 1911 में राजनांदगांव ले 7 किमी दूरिहा गाँव खेली म होय रिहिस।

(दुलारसिंह साव मंदराजी का जन्म 1 अप्रेल 1911 में राजनांदगांव से 7 किमी दूर गाँव खेली में हुआ था।)

6. नाचा म पहिली कोन साज के चलन रिहिस हे?

(नाचा में पहले किस साज का चलन था?)

उ. नाचा म पहिली खड़े साज के चलन रिहिस।

(नाचा में पहले खड़े साज का चलन था।)

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लोगन मन नाचा से काबर प्रभावित होथे?

उ. नाचा के कोनो लिखित म बोली-भाषा (संवाद) नइ होवय। नाचा के कलाकार मन अपन हाजिर जबानी म हांसी-मजाक के बात ल त बोलथेच फेर एमे मनखे के सुभाव अऊ समाज के कुरीति के बरनन घलो रहिथे। नाचा के इही विशेषता के कारण नाचा देखइया मन मोहित हो जाथे अऊ रात भर अपन जघा ले टस के मस नइ होवय।

2. नाचा के आत्मा काला कहे गे हे?

उ. नाचा म जेन लोक-जीवन के महक, लोक हित के भाव अऊ लोक संस्कृति के आधार हवय ओही एकर आत्मा केहे जाथे।

3. नाचा में पहिली चिकारा के जघा म कोन जिनिस के प्रयोग करय?

उ. नाचा में पहिली चिकारा के जघा में हारमोनियम के प्रयोग करय।

4. पहिली नाचा पार्टी के प्रमुख कलाकार कोन-कोन रिहिन हे अऊ कोन-कोन गाँव के रिहिन हे?

उ. पहिली नाचा पार्टी के प्रमुख कलाकार रिहिन

- नारद निर्मलकर (खल्लारी के परी)
- सुकालू ठाकुर (लोहरा भर्री टोला)
- नोहर दास (खेरथा अछोली गाँव के)
- राम गुलाल निर्मलकर (कन्हारपुरी राजनांदगांव के) एवं
- खुद मंदराजी दाऊ रवेली गाँव के रिहिन हे।

5. अंगरेजी सरकार ह नाचा पार्टी ल कोन कारण से बंद करवा देइस?

उ. हमर गीत अऊ गम्मत देश प्रेम के भाव ले जुड़े रहय। आजादी के बात हमर गम्मत म रह्य। एकरे सेती अंगरेजी सरकार ह हमर नाचा ल बंद करवा देइस।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. नाचा बर मंदराजी दाऊ का-का करिन ?

   उ. मंदराजी दाऊ ह नाचा बर अपन जिनगी भर अनेकों काम करिन। ओमन नाचा के खातिर अपन पढ़ई-लिखई घर-गृहस्थी, नता-रिस्ता अऊ जमींदारी ल घलो छोड़ दिन। ओमन अपन रुपिया पइसा ल घलो नाचा पार्टी के संगठन बनाय बर बर्बाद कर दिन। ओमन देश के नागरिक मन ल आजादी के प्रति जाग्रत करे बर नाचा गम्मत के सहारा लेइन। नाचा गम्मत के माध्यम ले जागृति लाए के प्रयास करिन। देश के सामाजिक कुरीति (बाल विवाह, दहेज़ प्रथा, जादू टोना, बैगा गुनिया उपर अंधविश्वास) मन ल नाचा गम्मत दिखा के मिटाय के उदिम ल करिन।

2. मंदराजी दाऊ ह नाचा के बारे म का केहे रिहिन ओला लिखव?

   उ. मंदराजी दाऊ ह नाचा के बारे म केहे रिहिन हमन गम्मत देखा के सामाजिक कुरीति ल उजागर करेन। हमर नाचा पार्टी ह वीर सेनानी मन के संग दिस। हमर गीत अऊ गम्मत देश प्रेम के भाव ले जुड़े रहाय। एखरे सेती हमर नाचा म अंगरेजी सरकार ह रोक घलो लगाय रिहिस।

पाठ – 15
सरलता और सहृदयता

- श्री एस. के. दत्त

प्र.1 सही जोड़ी मिलाइये-

अ		ब
दैनिक	-	काका
कीमती	-	पद
ऊंचा	-	कामकाज
बूढ़े	-	कलमदान
शेष	-	मन
अधीर	-	जीवन

उत्तर:

अ		ब
दैनिक	-	जीवन
कीमती	-	कलमदान
ऊंचा	-	पद
बूढ़े	-	काका
शेष	-	जीवन
अधीर	-	मन

प्र.2 नीचे लिखे शब्दों में प्रत्यय और उपसर्ग दोनों हैं उन्हें अलग कीजिये-
अपमानित, अधार्मिक, अभिमानी, बेचैनी, दुस्साहसी, उपकार, अनुदारता, निर्दयी

	शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय
1.	अपमानित	अप	इत
2.	अधार्मिक	अ	इक
3.	अभिमानी	अभि	ई
4.	बेचैनी	बे	ई
5.	दुस्साहसी	दुस्	ई
6.	उपकार	उप	आर
7.	अनुदारता	अनु	त
8.	निर्दयी	निर्	ई

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. काका के बाबू कौन थे?
   काका के बाबू भारत के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद थे।
2. बूढ़े नौकर को राजेन्द्र प्रसाद जी क्या कहकर पुकारते थे?
   उ. बूढ़े नौकर को राजेन्द्र प्रसाद जी काका कहकर पुकारते थे।
3. कीमती कलमदान कैसे टूटा?
   उ. कीमती कलमदान धूल पोंछते हुए हाथ से छूट जाने के कारण टूटा।
4. राजेंद्र बाबू ने बूढ़े काका से क्षमा क्यों मांगी?
   उ. राजेन्द्र बाबू ने बूढ़े काका से अपने व्यवहार पर क्षमा मांगी।
5. बूढ़े काका ने बाबू के सिर पर हाथ रखकर क्या कहा?
   उ. बूढ़े काका ने बाबू के सिर पर हाथ रखकर कहा-"अच्छा तो चलो, मैंने अपने बाबू को क्षमा कर दिया।"

लघुत्तरीय प्रश्न

1. बूढ़े काका का घर के सभी लोग सम्मान क्यों करते थे?
   उ. बूढ़े काका का घर के सभी लोग सम्मान इसलिए करते थे, क्योंकि इस घर के बच्चों को उंगली पकड़कर चलना सिखाया था। अब वे बच्चे बड़े हो गए; वह बचपन से ही घर में काम करता आ रहा था। वह उस परिवार के लिए एक सदस्य की भांति था।
2. बूढ़े काका की आँखों से आंसुओं की झड़ी क्यों बहने लगी?
   उ. राजेन्द्र बाबू के द्वारा बूढ़े काका से माफ़ी मांगने पर बूढ़े काका के आँखों से आंसू बहने लगे।
3. राजेन्द्र बाबू का मन अशांत क्यों था?
   उ. राजेंद्र बाबू का मन अशांत इसलिए हो गया क्योंकि उन्होंने कलमदान टूटने पर बूढ़े काका को डांट दिया था, इसी कारण से राजेंद्र बाबू का मन अशांत था।
4. इस पाठ की किस घटना से आप प्रभावित हैं?
   उ. अपने एक पुराने सेवक काका को डांटने के पश्चात् फिर उनसे माफ़ी मांगने की घटना से हम प्रभावित हैं कि वे कितने उदार, सहृदय और विनम्र थे। घमंड तो उनको छू तक नहीं गया था।
5. परिवार वाले क्यों चाहते थे कि बूढ़े काका काम करना बंद कर दें?
   उ. परिवार वाले चाहते थे कि बूढ़े काका कामकाज करना बंद कर दे और शेष जीवन आराम से गुजारे, इसलिए बूढ़े काका का काम बंद करना चाहते थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. राजेन्द्र प्रसाद को अपने किये पर पछतावा क्यों हुआ?
   बूढ़े काका से अपने कठोर व्यवहार के लिए राजेंद्र बाबू का मन अशांत था। उन्हें लग रहा था कि मैंने उस पर क्रोध करके उनकी आज तक की सेवाओं को भुला दिया। उनकी सेवओं का कोई मूल्य नहीं समझा। उनके प्रति इस तरह का व्यवहार करके मैंने अच्छा नहीं किया। उन्होंने आज तक हमारे परिवार की कितनी सेवा की है। कभी शिकायत का कोई मौका नहीं दिया, आज साधारण सी गलती पर मेरा इतना रूखा व्यवहार करना ठीक नहीं। इन्हीं सारी बातों को सोच-सोचकर राजेन्द्र बाबू को पछतावा हुआ।
2. क्या एक कलमदान एक व्यक्ति के सम्मान से अधिक कीमती है? विचार कर लिखिए।
   उ. एक कलमदान एक व्यक्ति के सम्मान से अधिक कीमती नहीं है क्योंकि व्यक्ति के सम्मान को अगर ठेस पहुंचती है तो उस अपमान से व्यक्ति आहत हो जाता है। मान सम्मान चले जाने के बाद वह सम्मान दुबारा उसे प्राप्त नहीं होता लेकिन अगर कोई सामान (कलमदान) दिया गया है उसे हम दोबारा प्राप्त कर सकते हैं। व्यक्ति के सम्मान से बढ़कर दुनिया में और कोई सामान नहीं है। यहाँ पर व्यक्ति को दिए गए सामान की बात नहीं यहाँ व्यक्ति की आत्मसम्मान की बात है।

पाठ – 16
चचा छक्कन ने केले खरीदे

- श्री इम्तियाज अली

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(नैचा, दशा, क्रिकेट, बुखार, इमली)

1. मीर मुंशी साहब को ..... था।

उ. बुखार

2. लल्लू के मदरसे का डी.ए.वी. स्कूल से ..... का मैच था।

उ. क्रिकेट

3. बिंदो को बाज़ार भेजकर दो पैसे की ..... मंगाई थी।

उ. इमली

4. हुक्के का ..... मुंह से लगा था।

उ. नैचा

5. बिंदो असमंजस की ..... में खड़ा रहा।

उ. दशा

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. पीतल के बर्तन साफ करने के लिए सबसे अच्छा साधन क्या है?
   उ. पीतल के बर्तन साफ करने के लिए सबसे अच्छा साधन इमली माना जाता है।
2. बिंदों कौन है? चचा छक्कन ने उससे कौन-कौन से कार्य करवाए?
   उ. बिंदों चचा छक्कन का नौकर था। छक्कन ने उससे घर के कार्य करवाए जैसे- बर्तन मांजना, केला खरीदना आदि।
3. चचा छक्कन ने पहले दो केले क्या कारण बताते हुए खा लिए?
   उ. चचा छक्कन ने पहले दो केले स्वयं ही तरह-तरह के बहाने बताते हुए खा लिए।
4. चचा छक्कन घर पर अकेले क्यों रह रहे थे?
   उ. चाची मीर मुंशी साहब की बीमार पुत्री को देखने गयी थी। साथ में बिंदों व एक नौकर गया था। लल्लू क्रिकेट मैच में तथा दद्दू व छुट्टन तमाशा देखने गए थे। इस कारण चचा छक्कन घर पर अकेले रह गए थे।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. फल वाले ने या बेईमानी, तेरा ही सहारा क्यों कहा?
   उ. फल वाला गरम हो रहा था "आप ही ने तो भाव ठहराया और अब आप ही जबान से फिर गए। बहाना नौकर की भूल का, जैसे हम समझ नहीं सकते।" या बेईमानी तेरा ही आसरा इसी कारण कहा।
2. क्रिकेट देखने का मौका किसे मिलता है और क्यों?
   उ. क्रिकेट देखने का मौका लल्लू को मिलता था क्योंकि लल्लू अर्दली में था। इसलिए उसे क्रिकेट देखने का मौका मिलता था।
3. चचा छक्कन ने एक दर्जन केले खाते वक्त कौन-कौन से बहाने बनाये?
   उ. अच्छे हैं केले, बस यूँ ही जरा जोर से हाय इस तरह छुट्टन की अम्मा देखेगी तो समझेगी, आज ही नए खरीद लिए हैं। और वह मैंने कहा, अब ये केले बाकी रह गए हैं। दस खूब चीज है न इमली एक टके के खर्चे में काया पलट हो जाती है मगर बिंदो इन दस केलों का हिसाब बैठेगा किस तरह यानि हम शरीक न हों तब तो हर एक को दो-दो केले मिल जायेंगे। चचा छक्कन ने एक दर्जन केले खाते वक्त इस तरह के बहाने बनाये।
4. चचा छक्कन ने डिब्बा बंद सामान के बारे में क्या कहा?
   उ. चचा इमली के गुणगान करते हुए कह रहे थे कि इमली के जादू का तो तू भी कायल हो गया होगा। इसके असंख्य लाभ हैं मगर क्या करें इस ज़माने में देशी चीजों की पूछ परख नहीं है। उनकी कोई कद्र नहीं करता। अगर यही इमली विदेशों से डब्बा बंद होकर आती तो लोग इसे खरीदने में देर न करते हर घर में इसका डिब्बा पाया जाता। चचा छक्कन ने डिब्बा बंद सामान के बारे में इस प्रकार कहा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. देशी चीजों और विदेशी चीजों के विषय में चचा के क्या ख्याल हैं?
   उ. देशी चीजों और विदेशी चीजों के विषय में चचा का यह ख़याल था कि विदेशी वस्तुओं की पूछ परख ज्यादा होती है क्योंकि वह वस्तु डिब्बे में पेक रहती है। लेकिन देशी वस्तु की पूछ-परख बाजार में कम रहती है क्योंकि ये खुले बाजार में बिकती है। देशी और विदेशी चीजों के विषय में चचा के यही ख़याल हैं।
2. फल वाले ने दोबारा दाम कम करके फल क्यों बेच दिया? अपने विचार लिखिए।
   उ. फल वाले ने दोबारा दाम कम करके फल इसलिए बेच दिया क्योंकि उसके छक्कन चचा से दो-दो बात पर विवाद हो गए थे। कहते हैं कि किसी भी काम के लिए शुरुआत का होना जरूरी होता है। जहाँ शुरुआत गड़बड़ाया पूरा का पूर दिन बेकार हो जाता है। यही कारण है की फल वाले ने फल का दाम कम करके बेच दिया।

3. लेखक ने तकल्लुफ में तकलीफ ही तकलीफ बताई है आप लेखक के इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं?

   उ. लेखक कहता है कि औपचारिकता में तकलीफ होती है लेखक के इस विचार से हम सहमत हैं। यही सोचते हुए चचा ने स्वयं ही पूरे केले खा लिए क्योंकि उनके बच्चे तो खाने-पीने के लिए पैसे ले गए थे। अतः आवश्यकता नहीं हो तो औपचारिकता का निर्वहन करते हुए परिवार के सदस्यों के लिए केले बचाने का कोई मतलब नहीं है। खराब होने पर फेंके तो नहीं जा सकते अतः औपचारिकता में चचा ने केले खा लिए।

4. इच्छा के बिना कोई चीज खाई जाये तो शरीर का अंग नहीं बन पाती आप इस बात से कहाँ तक सहमत हैं? उदा. स्पष्ट करें।

   उ. इच्छा के बिना कोई चीज खाई जाये तो शरीर का अंग नहीं बन पाती। इस बात से मैं असहमत हूँ। कोई भोज्य पदार्थ चाहे हम अपनी मर्जी से खाएं या बिना मर्जी, भोजन तो अपना असर दिखायेगा।

   उदा.- आज मुझे राम ने जबरदस्ती एक दर्जन केला खिला दिया। क्या वह केला अपना असर नहीं दिखायेगा। क्या जो केले में खनिज लवण के मात्रा है हमें नहीं मिलेगी, इसमें तो मर्जी या बिना मर्जी के आवश्यकता नहीं पड़ती।

5. निम्नलिखित शब्दों और मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिये-

   a. ठिकाने लगाना – ख़त्म करना

   वाक्य- चचा छक्कन ने आखिर सब केलों को ठिकाने लगा ही दिया।

   b. नीयत में खोट आना – बेईमानी करना

   वाक्य- मालिक के यहाँ ज्यादा पैसे देखकर नौकर की नियत में खोट आ गई।

   c. जबान से फिर जाना – कही हुई बात से मुकर जाना

   वाक्य- जबान से फिरनेवालों का यकीन नहीं करना चाहिए।

   d. नस-नस से वाकिफ होना – सब कुछ जानना

   वाक्य- पुलिस चोरो की नस-नस से वाकिफ होती है।

पाठ – 17
नीति के दोहे

- तुलसी, रहीम, कबीर

नीचे लिखे शब्दों के तत्सम रूप लिखिए

(सनेह, मेह, धूरी, रतन, तरवारि, परलय, दुरलभ, जनम, हरस)

उ.

शब्द	तत्सम रूप
सनेह	स्नेह
मेह	मेघ
धूरी	धूल
रतन	रत्न
तरवारि	तलवार
परलय	प्रलय
दुरलभ	दुर्लभ
जनम	जन्म
हरस	हर्ष

निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यय्वाशी शब्द लिखिए-

(सांप, सोना, पेड़, सरोवर, तलवार)

उ.

शब्द	पर्यायवाची शब्द
सांप	सर्प, भुजंग
सोना	कंचन, कनक
पेड़	तरु, वृक्ष
सरोवर	ताल, जलाशय
तलवार	असी, दुधारी

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. किस धन को तुलसी ने सर्वश्रेष्ठ कहा है? क्यों?
   उ. संतोष धन को तुलसी ने सर्वश्रेष्ठ कहा है क्योंकि गोधन, गजधन, बाजिधन और रतनधन सभी धूल के समान हैं।

2. आज का काम कल पर क्यों नहीं टालना चाहिए?
   उ. आज का काम कल पर इसलिए नहीं टालना चाहिए क्योंकि जीवन क्षणभंगुर है यह कभी भी नष्ट हो सकता है।
3. तुलसी के अनुसार हमें कैसे स्थान पर नहीं जाना चाहिए?
   उ. तुलसी के अनुसार हमें ऐसे स्थान पर नहीं जाना चाहिए जहाँ पर हमारा सम्मान न होता हो व स्नेह की भावना न हो।
4. तुलसी ने मीठे वचन को वशीकरण मंत्र क्यों कहा है?
   उ. तुलसीदासजी ने मीठे वचन को वशीकरण मंत्र इसलिए कहा है क्योंकि मीठे बोल से सभी प्रसन्न होते हैं यह सभी को वश में करने वाला मंत्र है।
5. रहीम तलवार और सुई के माध्यम से क्या सन्देश देना चाहते हैं?
   उ. रहीम तलवार और सुई के माध्यम से यह सन्देश देना चाहते हैं कि छोटी वस्तुओं की भी अपनी उपयोगिता है जहाँ पर सुई का काम है वहां तलवार कुछ भी नहीं कर सकती है।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 मुखिया को मुख के समान क्यों माना गया है?

उ. मुखिया को मुख के समान विवेकशील होना चाहिए। जिस पकार मुख के द्वारा भोजन करने पर शरीर के सभी अंगों का पालन-पोषण होता है उसी प्रकार परिवार के मुखिया को पूर्ण विवेक और इमानदारी से परिवार के सभी सदस्यों का पालन पोषण करना चाहिए।

प्र.2 परोपकार के महत्त्व को रहीम ने किस प्रकार समझाया है?

उ. परोपकार के महत्त्व को रहीम ने वृक्ष और तालाब के माध्यम से समझाया है, जिस प्रकार वृक्ष अपना फल स्वयं नहीं खाते और तालाब अपना पानी स्वयं नहीं पीते वे परोपकार ही करते हैं उसी प्रकार मनुष्य को अपनी संपत्ति को परोपकार में लगाना चाहिए।

प्र.3 "उत्तम प्रकृति वाले व्यक्ति कुसंगति से प्रभावित नहीं होते हैं" इसे समझाइए।

उ. उत्तम प्रकृति वाले व्यक्ति पर कुसंगति का प्रभाव नहीं पड़ता जैसे चन्दन के वृक्ष पर विषैले सांपो के लिपटे रहने पर भी चन्दन पर विष का प्रभाव नहीं पड़ता है।

प्र.4 "मनुष्य देह नाशवान है" इस कथन को कबीर ने कैसे सिद्ध किया?

उ. जिस प्रकार वृक्ष से गिरा पत्ता वापस शाखा पर जाकर नहीं लगता है उसी प्रकार मनुष्य एक बार मृत्यु को प्राप्त हो जाने पर वापस शरीर धारण नहीं करता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 आम के पेड़ व संत में क्या समानता है?

उ. जिस प्रकार आम के पेड़ पर मीठे फल दूसरों की भलाई के लिए होते हैं उसी प्रकार संत महात्मा भी आम के पेड़ की तरह परोपकारी भावना रखते हैं। आम तोड़ने के लिए हम आम के पेड़ को पत्थर मारते हैं और वह उतने ही फल देता है उसी प्रकार संत महात्मा भी परोपकार की भावना रखते हुए उन्हें कितना भी प्रताड़ित किया जाये लेकिन वे कुछ नहीं करते और हमें ज्ञान वा सीख तथा परोपकार की शिक्षा देते हैं यही समानता है आम के पेड़ और संत में।

प्र.2 'भले लोग हमेशा दूसरों के लिए ही कार्य करते हैं' रहीमजी ने इस बात को किस तरह समझाया है?

उ. प्रस्तुत दोहे में कवि रहीम कहते हैं कि पेड़ अपना फल स्वयं नहीं खाते हैं और न ही तालाब स्वयं अपना पानी पीता है।

कवि रहीम कहते हैं कि समझदार व्यक्ति वही है जो संपत्ति को परोपकार के कार्यों में लगाते हैं, रहीम जी ने इस बात को इस तरह समझाया कि भले लोग हमेशा दूसरों के लिए ही कार्य करते हैं।

प्र.3 मानव के रूप में जन्म को दुर्लभ क्यों बताया गया है?

उ. संत कबीर दासजी ने जन्म को दुर्लभ बताया है। क्योंकि यह मनुष्य जन्म बार-बार नहीं मिलता है। जिस प्रकार वृक्ष की शाखा से टूटकर गिरे पत्ते को शाखा जोड़ने का बार-बार प्रयास करने पर भी नहीं जुड़ता है। अतः मनुष्य को अच्छे कार्य कर इस दुनिया से विदा होना चाहिए। अतः संत कबीर दास जी ने मानव जन्म को दुर्लभ बताया है।

प्र.4 निम्नलिखित शब्दों के विरुद्ध शब्द लिखिए-

कठोर, विवेक, हर्ष, संतोष, हित, परमार्थ, लघु

उ.

शब्द	विरुद्धार्थी शब्द
कठोर	नरम
विवेक	अविवेक
हर्ष	विषाद
संतोष	असंतोष
हित	अहित
परमार्थ	स्वार्थ
लघु	दीर्घ

पाठ – 18
हमर कतका सुन्दर गाँव

- प्यारे लाल गुप्त

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. ये शब्द मन के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखव-
   सुघ्घर, भुइयां, पहार, तरिया, कँवल

उ. इन शब्दों के पर्यायवाची शब्द

शब्द	पर्यायवाची शब्द
सुघ्घर	सुन्दर, दर्शनीय
भुइयां	धरती, भूमि
पहार	पहाड़, नग, गिरी
तरिया	तालाब, सरोवर
कँवल	कमल, पंकज

2. उल्टा अर्थ वाला शब्द लिखव-
   उज्जर , लट्ठा, बाहिर, सफ्फा, नवां

उ.

शब्द	उल्टा शब्द
उज्जर	करिया (काला)
लट्ठा	दूरिहा (दूर)
बाहिर	भीतरी (भीतर)
सफ्फा	मइलहा (गन्दा)
नवां	जुन्ना (पुराना)

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. गाँव के घर मन कइसन दिखत हें?
   उ. गाँव के घर मन लीपे-पोते सुघ्घर होथे।
2. खातू के गड्ढा कहाँ है?
   उ. गाँव के बाहिर म खातू के गड्ढा हे जेमा गोबर एकट्ठा होथे।
3. तुलसीचौरा कहाँ हे?
   उ. तुलसीचौरा घर के आँगन म हे।
4. कोलाबारी म हमन का बोथन?
   उ. गाँव के कोलाबारी म हमन साग-भाजी (तरकारी) बोथन।
5. धरती ह काखर रस ल पीके अन उपजाथे?

उ. धरती ह गोबर खाद के रस ल पीके अन उपजाथे।

6. अमरइया कहाँ हे?

उ. गाँव के लकठा म अमरइया हावे।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 कवि ह गाँव मन ल लछमी जी के पाँव काबर केहे हे?

उ. घर उज्जर लीपे-पोते, जेल देख हवेली रोथे

सुघ्घर चिकनाये भुइयां, चाहे भात परूस लय गुइयाँ

एकरे पाए कवि ह गाँव ल लछमी जी के पाँव कहे हे।

प्र.2 गाँव के घर मन ल देख के हवेली कबर दुखी हो थे?

उ. गाँव के घर मन ल देख के हवेली एखर सेती दुखी होथे काबर कि गाँव के घर मन गोबर ले लीपे-पोते अऊ सुघ्घर होथे। हवेली ह बड़ेजन होय के कारण ओखर हालत जादा खराब होथे।

प्र.3 खरही के गंजे पहार के का अर्थ हे?

उ. खरही के गंजे पहार के अर्थ हे कि खेत से कटे अन्न के फसल ल बोझा बना-बना के कोठार म ले जा के इकट्ठा करे जाथे त वो हा पहार जइसन लागथे।

प्र.4 सरसों के फूल के तुलना कवि ह काखर ले करे हे?

उ. सरसों के फूल के तुलना कवि ह नवा बहु के लुगरा ले करे हे। काबर कि गाँव के नवा बहु ह पीला लुगरा पहिन के पहली बार ससुराल आथे।

प्र.5 कवि ह गाँव ल अनपुरना के ठांव काबर कहे हे?

उ. कवि ह गाँव ल अनपुरना के ठांव एखर सेती केहे हे काबर की गाँव की धरती म अन अऊ साग के फसल बहुत होथे। गाँव ह सिरतोन अनपुरना के ठांव आय।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 अंगना म तुलसी चौरा लगाय के का कारण होही?

उ. अंगना म तुलसी चौरा लगाय के कारण धार्मिक हवय। हर हिन्दू घर में तुलसी चौरा होथे। तुलसी के प्राकृतिक महत्त्व घलो हावय। तुलसी हवा शुद्ध करथे तेखर सेती हर अंगना म तुलसी चौरा होथे।

प्र.2 गाँव के मनखे मन आपस म मिल-जुल के कइसे रहिथे?

उ. गाँव के मनखे मन सीधा-सादा, भोला-भाला अऊ इमानदार होथे। वोमन कहुं मुकदमाबाजी ल नई जानय। आपस के लड़ई-झगरा, मतभेद ल अपन गाँव के पंचइत म निबटा डारथे। वोमन उंच-नीच ल नइ मानय। वोमन एक दूसर के सुख दुःख के हमेशा साथी होथे। ओमन आपस म मिलजुल के रहिथे।

प्र.3 "अपन गाँव ह सब झन ल सुघ्घर लागथे" ये कहावत हवय। तुमन ल अपन गाँव कोन कारण से सुघ्घर लागथे? सुघरई के दस वाक्य म बरनन करव।

उ. हमन ल अपन गाँव अड़बड़ सुघ्घर लागथे-

1. गाँव म मनखे मन आपस म मिलजुल के रहिथे।

2. गाँव में सब्जी-तरकारी आसानी ले मिल जाथे।

3. गाँव म खेती बाड़ी करके मनखे मन अपन जीवन यापन करथे।

4. गाँव में सुख-दुःख ल एक दूसर से बांटथें।

5. गाँव म सब झन खेती किसानी अऊ मजदूरी करथे।

6. एक-दूसर म उंच-नीच के भेदभाव नइ रखय।

7. कोनो बात ल छिपा के नइ रखय।

8. लड़इ झगरा नइ होवय।

9. आपस म मिलजुल के रहिथे।

10. गाँव म मनखे मन मिलजुल के भजन करथे।

प्र.4 गाँव के तरिया के सुघरई के बरनन करव।

उ गाँव के तरिया म पक्का घाट बंधाय हवय, उहाँ के पानी सफ्फा अऊ करिया हावे। जेमे सुघ्घर लाल कँवल के फूल खिले हावे।

पाठ – 19
हार की जीत

निम्नलिखित शब्द समूह में से प्रत्येक के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

1. जिसका अंग-भंग हो गया हो
   उ. - अपंग
2. घोड़ा बंधने का स्थान
   उ. - अस्तबल
3. जो ईश्वर पर विश्वास करे
   उ. - आस्तिक
4. घोड़े पर सवारी करने वाला
   उ. - घुड़सवार
5. जिसके शरीर का कोई अंग विकृत हो
   उ. - विकलांग

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 सुल्तान कौन था?
उ. सुल्तान बाबा भारती के घोड़े का नाम था।
प्र.2 खड़गसिंह कौन था? लोग उससे क्यों डरते थे?
उ. खड़गसिंह कुख्यात डाकू था, उसके जुल्मों की वजह से लोग उससे डरते थे।
प्र.3 बाबा भारती का सुल्तान के प्रति किस प्रकार का प्रेम था?
उ. बाबा भारती का सुल्तान के प्रति बेटे के समान प्रेम था।
प्र.4 खड़गसिंह सुल्तान को क्यों देखना चाहता था?
उ. सुल्तान की कीर्ति सुनकर खड़गसिंह उसे देखना चाहता था।
प्र.5 जाते-जाते खड़गसिंह ने बाबा से क्या कहा था?
उ. खड़गसिंह ने बाबा से कहा – "बाबा जी, मैं यह घोड़ा आपके पास नहीं रहने दूंगा"

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 बाबा भारती ने खड़गसिंह से सुल्तान के किन गुणों का बखान किया?
उ. विचित्र जानवर है, देखोगे तो प्रसन्न हो जाओगे। उसकी चाल तुम्हारा मन मोह लेगी, क्या कहना जो उसे एक बार देख लेता है, उसके हृदय पर उसकी छवि अंकित हो जाती है। इस प्रकार बाबा भारती ने सुल्तान के गुणों के बारे में खड़गसिंह को बखान किया।
प्र.2 "बाबा इसकी चाल ना देखी तो क्या देखा" खड़गसिंह ने ऐसा क्यों कहा?
उ. खड़गसिंह ने इसलिए कहा क्योंकि वह घोड़े को चोरी करने से पहले घोड़े के परख करना चाहता था।
प्र.3 सुल्तान को प्राप्त करने के लिए डाकू खड़गसिंह ने क्या चाल चली?

उ. सुल्तान क प्राप्त करने के लिए डाकू खड़गसिंह ने बूढ़े अपाहिज का भेष धारण किया और बाबा भारती को धोखा देकर सुल्तान को प्राप्त कर लिया।

प्र.4 बाबा भारती के किस कथन को सुनकर डाकू खड़गसिंह का हृदय परिवर्तन हो गया?

उ. बाबा बहती का यह कहना है कि "इस घटना को किसी के सामने प्रकट मत करना। लोगों को यदि इस घटना का पता चल गया तो वे किसी गरीब पर विश्वास नहीं करेंगे"। इस कथन को सुनकर डाकू खड़गसिंह का हृदय परिवर्तन हुआ।

प्र.5 इस कहानी में हारकर भी कौन जीता और जीतकर भी कौन हरा?

उ. इस कहानी में बाबा भारती हारकर भी जीते और डाकू खड़गसिंह जीतकर भी हारा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 "अब कोई गरीबों की सहायता से मुंह न मोड़ेगा" बाबा भारती ने ऐसा कब और क्यों कहा?

उ. बाबा भारती ने ऐसा तब कहा जब उसने अपने घोड़े को अस्तबल में देखा क्योंकि उनके घोड़े को खड़गसिंह लूटकर ले गया था। लेकिन खड़गसिंह उस घोड़े को पुनः बाबा के अस्तबल में लाकर बाँध देता है। तब बाबा कहते हैं कि अब कोई भी व्यक्ति किसी गरीब के सहायता से मुंह नहीं मोड़ेगा।

प्र.2 हार की जीत कहानी का क्या सन्देश है?

उ. हार की जीत कहानी में श्रेष्ठ मानवीय गुणों से युक्त बाबा भारती के चरित्र का आदर्श प्रस्तुत किया गया है। डाकू के छल कपट को जानकार भी यह कहना – मेरी प्रार्थना है कि तुम इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना, लोगों को यदि इस घटना का पता चल गया तो वे किसी गरीब पर विश्वास नहीं करेंगे। इस तथ्य को बताना इस कहानी का सन्देश है।

प्र.3 पाठ में प्रसन्नता शब्द आया है जो कि भाव वाचक संज्ञा है। यह शब्द प्रसन्न विशेषण में 'ता' प्रत्यय लगाने से बना है अर्थात् खुश होने का भाव इस प्रकार ता प्रत्यय का प्रयोग करते हुए दस भाव वाचक संज्ञा बनाइये-

1. मानव + ता = मानवता
2. सुन्दर + ता = सुन्दरता
3. सज्जन + ता = सज्जनता
4. सजग + ता = सजगता
5. शत्रु + ता = शत्रुता
6. मित्र + ता = मित्रता
7. कटु + ता = कटुता
8. पवित्र + ता = पवित्रता
9. विनम्र + ता = विनम्रता
10. निर्धन + ता = निर्धनता

पाठ – 20
हाना

\- लेखक मंडल

प्र.1 खाल्हे लिखाय शब्द मन म 'ना' प्रत्यय जोड़कर नवा शब्द बनावव-

लहुट, तऊंर, बऊर, बहुर

उ.

शब्द		प्रत्यय		नवा शब्द
लहुट	-	ना	-	लहुटना
तऊंर	-	ना	-	तऊंरना
बऊर	-	ना	-	बऊरना
बहुर	-	ना	-	बहुरना

प्र.2 दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखव-

मनखे, अप्पढ़, हाना, गुस्सा

उ.

मनखे	-	मानव, मनुष्य, लोगन
अप्पढ़	-	अनपढ़, गंवार, अंगूठा छाप
हाना	-	लोकोक्ति, जघा मांजरा
गुस्सा	-	खिसियाना, बौखलाना

प्र.3 उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखव-

सियान, संगवारी, नान-नान, बिहनिया

उ.

सियान	-	लइका
संगवारी	-	बैरी
नान-नान	-	बड़का-बड़का
बिहनिया	-	संझा

अतिलघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 साहित्य के प्रकार के होथे?

उ. साहित्य दू प्रकार के होथे-

i. लिखित साहित्य

ii मुंह अखरा साहित्य

प्र.2 हिंदी म हाना ल का कहिथे?

उ. हिंदी म हाना ल लोकोक्ति कहिथे।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 हाना के प्रयोग ले भाषा म का-का प्रभाव पैदा होथे?

उ. हाना के प्रयोग में भाषा म सुघ्घराई मिठास अउ प्रभाव बढ़ाथे।

प्र.2 'अधजल गगरी छलकत जाय' के का अर्थ हे?

उ. जेन गगरी ह आधा भरे रहिथे, ओला बोह के रेंगबे त ओ ह बहुतेच छलकथे। ये हमर रोज के अनुभव आय कि जेकर ज्ञान कम रहिथे ओह अब्बड़ बोलथे।

प्र.3 छत्तीसगढ़ी म हाना ल अऊ का नांव ले जाने जाथे?

उ. छत्तीसगढ़ी म हाना ल कोनो-कोनो जगह भांजरा केहे जाथे अउ लोकोक्ति घलो केहे जाथे।

प्र.4 विषय भाव अऊ अर्थ के आधार म हाना ल के भाग म बांटे जा सकथे?

उ. विषय भाव अऊ अर्थ के आधार म हाना ल सात भाग म बांटे जा सकथे-

i. ठउर (स्थान) संबंधी हाना

ii. खेती (कृषि, गाँव) संबंधी हाना

iii. पशु-पक्षी संबंधी हाना

iv. प्रकृति संबंधी हाना

v. अंग संबंधी हाना

vi. घर परिवार संबंधी हाना

vii. नीति (नीतिगत) संबंधी हाना

खालहे लिखाय हाना के भाव लिखव-

I. दुधियारिन गाय के लात मीठ
अर्थ- जेखर हमला काम रहिथे ओखर गुस्सा अउ मार ह घलो सुहाथे।

II. कोरे गाँथे बेटी अउ नीदे कोड़े खेती
अर्थ- जइसे मुड़ी कोरे बेटी ह सुघ्घर दिखथे उसने नींदे कोड़े खेती सुघ्घर दिखथे अउ जादा उपज देथे।

III. रिस खाय बुध, बुध खाय परान
अर्थ- मानो गुस्सा करे म बुद्धि सिरा जाथे अउ जब बुद्धि सिरा जाथे मनखे ल घलो गँवा डारथे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 दस ठन हाना ल सकेल के लिखव?

उ. 1. बो दे गहूं चल दे कहूं

अर्थ- अपनी जिम्मेदारी हमें स्वयं निभानी चाहिए।

2. अपन मरे बिन सरग नइ दिखे

अर्थ- काम की सफलता के लिए कष्ट उठाना पड़ता है।

3. तइहा केला, बइहा लेगे

अर्थ- पिछली बाते भूलकर आगे की सोचना चाहिए।

4. अपन खेती अपन सेती

अर्थ- अपना काम हमें स्वयं करना चाहिए।

5. बोकरा के परान छूटे, खवइया ल अलोना

अर्थ- दूसरे के कष्ट का व्यक्ति परवाह नहीं करता।

6. करिया आखर भइंस बरोबर

अर्थ- अनपढ़ के लिए काला अक्षर भैंस के बराबर होता है।

7. नकटा के नाक कटाय, अऊ सवा हाथ बाढ़य

बेशर्म व्यक्ति अपने आत्म सम्मान के बारे में नहीं सोचता।

8. सीखाय पूत पहार नइ चढ़ सकय

केवल मौखिक बातों से काम सिद्ध नहीं होता उसके लिए स्वयं मेहनत करना पड़ता है।

9. गाँव के जोगी जोगड़ा, बाहिर के साधू सिध

अर्थ- व्यक्ति अपने नजदीक के व्यक्ति (रिश्तेदार) की बातों पर विश्वास नहीं करके दूर के लोगों का विश्वास करता है।

10. अड़हा परान घाती

अर्थ- अल्पज्ञानी खतरनाक होता है। उसके बुद्धि अनुरूप चलने में हानि ही होती है।

प्र.2. हाना के हमर जिनगी म का महत्त्व हे? इस विषय पर अपन विचार लिखव।

उ. हाना के हमर जिनगी म अब्बड़ महत्त्व हे- हाना हमर विचार-भाषा ल कम शब्द म बताय के माध्यम आय। हाना ले हमन कहुं भी मनखे ल सीखावन दे सकत हन। हमर कोनो समस्या ल सुलझाय बर हाना ह बड़ काम के होथे। हाना ह हमर जिनगी के रहन-सहन, अचार-बिचार ल व्यक्त करथे। अउ ओखर उपर प्रभाव घलो डारथे। हाना के द्वारा अनपढ़ मनखे मन घलो प्रभावशाली बात कर सकथे। हाना हमर जिनगी के कमी बेसी बताथे। हाना से हमन ल बहुत कुछ सीखे बर मिलथे। एखर सेती हाना ल हम ला अपन भाषा व्यवहार म बउरना चाही।

पाठ – 21
छत्तीसगढ़ दर्शन

- लेखक मंडल

प्र.1 निम्लिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिये-

उ. देशाभिमान -

उ. देश + अभिमान

प्रेमानुराग -

उ. प्रेम + अनुराग

रमेश -

उ. रमा + ईश

कक्षानुशासन -

उ. कक्ष + अनुशासन

सूर्योदय-

उ. सूर्य + उदय

गिरीश -

उ. गिरि + ईश

धर्मावलम्बी -

उ. धर्म + अवलम्बी

प्र.2 निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए-

उ. राजपुत्र -

उ. राजा का पुत्र - तत्पुरुष समास

दाल-रोटी -

उ. दाल और रोटी - द्वंद समास

पंचवटी -

उ. पांच वाट वृक्षों का समूह - द्विगु समास

दशानन-

उ. दस हैं आनन जिसके, अर्थात रावण - बहुब्रीहि समास

भरपेट -

उ. भरा हुआ पेट - अव्ययी भाव समास

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना कब हुई।

उ. छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना 1 नवम्बर सन् 2000 को हुई थी।

प्र.2 सतनाम पंथ के प्रवर्तक किसे माना जाता है?

उ. सतनाम पंथ के प्रवर्तक गुरु घासीदास को माना जाता है।

प्र.3 छत्तीसगढ़ की पंचमढ़ी किसे कहा जाता है?

उ. छत्तीसगढ़ की पंचमढ़ी अंबिकापुर के मैंनपाट को कहा जाता है।

प्र.4 छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा कौन-कौन से राज्य को छूती है?

उ. छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा – उड़ीसा, आन्ध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, झारखंड और मध्यप्रदेश को छूती है।

प्र.5 छत्तीसगढ़ के और क्या-क्या नाम हैं?

उ. धान का कटोरा, दक्षिण कौशल, दण्डकारण्य आदि नामों से जाना जाता है।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 कबीरपंथी किसे कहते हैं? इनके मठों का प्रमुख कौन होता है?

उ. कबीरपंथ को अपनाने वाले कबीरपंथी कहलाते हैं। रायपुर जिले के दामाखेड़ा एवं कबीरधाम ग्राम में कबीरपंथियों की प्रसिद्ध गद्दी है। दामाखेड़ा कबीरपंथ अनुयायियों को विशेष प्रकार की शिक्षा संस्कार का केंद्र है। मठों का प्रमुख आचार्य और गुरु होता है।

प्र.2 बारसूर के शिव मंदिर की विशेषताएं लिखिए।

उ. बस्तर के बारसूर में शिवजी का एक मंदिर है। यह मंदिर बत्तीस खंभों पर स्थित है। इन खम्भों पर सुन्दर नक्काशी की गयी है। खम्भों पर नाग और विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाएं उत्कीर्ण की गई हैं।

प्र.3 सतनाम का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके प्रमुख सिद्धांतों को लिखिए।

उ. सतनामी का अर्थ है- सत्यनाम को मानने वाला और उसके अनुसार आचरण करने वाला। सतनाम पंथ सत्य और पवित्रता को महत्त्व देता है। सतनाम पंथ के प्रवर्तक 'गुरु घासीदास' माने जाते हैं। जिनकी जन्मभूमि एवं तपोभूमि गिरौदपुरी ग्राम है। इन्होने भी कबीर की तरह मूर्ति पूजा, जाति प्रथा का खंडन, जातिभेद का बहिष्कार, मांस मदिरा का निषेध विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

प्र.4 छत्तीसगढ़ के साहित्य में जिनका योगदान है उन लेखकों, कवियों के नाम लिखिए।

उ. छत्तीसगढ़ के शिष्ट साहित्य में निम्नलिखित लेखकों कवियों का योगदान है- लोचन प्रसाद पाण्डेय, मुकुटधर पाण्डेय, माधवराव सप्रे, गजानन माधव मुक्तिबोध, पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी, हरी ठाकुर, सुन्दर लाल शर्मा, नारायण लाल परमार, जगन्नाथ प्रसाद, भानु द्वारिका प्रसाद तिवारी, बाबू प्यारेलाल गुप्ता, पंडित केदारनाथ ठाकुर आदि ऐसे नाम हैं जिनकी कृतियों से हिंदी और छत्तीसगढ़ी साहित्य की श्रीवृद्धि हुई है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 छत्तीसगढ़ी को आर्य और अनार्य...संस्कृतियों का संगम कहा गया है। क्यों?

उ. छत्तीसगढ़ को आर्य और अनार्य कला संस्कृतियों का संगम स्थल कहा गया है क्योंकि कलचुरी कालीन भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा सामाजिक जनजीवन पर दिखाई देता है।

प्र.2 विभिन्न राज्यों की सीमा से लगने वाले छत्तीसगढ़ राज्य के जिलों के नाम लिखिए।

उ. छत्तीसगढ़ राज्य के जिलों के नाम जो अन्य राज्य की सीमा से लगे हुए हैं-

मध्यप्रदेश – कवर्धा, बिलासपुर

आन्ध्रप्रदेश – दंतेवाड़ा

महाराष्ट्र - राजनांदगांव

उड़ीसा - महासमुंद, रायगढ़

रांची - जशपुर नगर, अंबिकापुर

प्र.3 छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीज-त्योहारों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

उ. छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति में तीज और पर्वों की रंग रंगीली धारा रची-बसी है। लोक आस्थाओं, लोक विश्वासों से जुड़े हुए इन त्योहारों में सर्वाधिक लोकप्रिय त्यौहार है – तीजा, पोला, हरेली अक्ती इत्यादि। तीज-त्योहारों के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के लोग अपनी बहन व बेटियों को उनकी ससुराल से माइके लिवा लाते हैं। इन त्योहारों में सुहागिन स्त्रियां ब्रम्ह मुहूर्त में उठकर विधि विधान से भगवान शिव और पार्वती की पूजा अपने पति की दीर्घायु के

लिए करती हैं। इस दिन अन्न, फल, दूध और जल ग्रहण नहीं करती अर्थात् निर्जला रखती हैं।

प्र.4 छत्तीसगढ़ में मनाये जाने वाले तीज त्योहारों के विषय में घर के बड़े बुजुर्गों से पूछकर लिखिए एवं यह भी बताइए कि इस अवसर पर क्या क्या होता है?

उ. छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति के प्रमुख विशेषता यहाँ की तीज-त्यौहार है, यहाँ हर त्यौहार की अपनी अकग-अलग विशेषताएँ हैं हर त्यौहार मनुष्य को कोई न कोई सन्देश जरुर देता है। हर त्यौहार विश्वास और आस्था से जुड़ा है। छत्तीसगढ़ का प्रमुख लोकप्रिय त्यौहार तीजा है जिसमें बहने व बेटियों को मायके लाने की परंपरा है। यह व्रत स्त्रियाँ निर्जला रखती हैं एवं अपने पति की दीर्घायु की कामना के लिए रखती हैं। इसके आलावा पोरा, हरेली, भाई दूज, कमरछठ आदि त्यौहार छत्तीसगढ़ में धूमधाम से मनाये जाते हैं।

प्र.5 छत्तीसगढ़ को "धान का कटोरा" कहा जाता है, ऐसा कहे जाने के पीछे क्या कारण है?

उ. छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा इसलिए कहा जाता है क्योंकि छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा धान की खेती की जाती है इसके पीछे कारण यह है कि यहाँ का प्रमुख खाद्य चावल है। ज्यादातर छत्तीसगढ़ के किसान खरीफ फसल में धान की खेती करते हैं ऐसा कहे जाने के पीछे यही कारण है।

प्र.6 छत्तीसगढ़ में विकास की संभावनाएं इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

उ. एक नवोदित राज्य होने के कारन छत्तीसगढ़ के विकास की अनंत संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ का प्राकृतिक वैभव एवं उसकी सांस्कृतिक धरोहर सचमुच अनूठी है। छत्तीसगढ़ की इस माटी का श्रृंगार हम सभी को मिलकर करना है। समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर किसी समृद्ध समाज की पहली पहचान है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत यह सिद्ध करती है कि हमारा राज्य सदियों से हर क्षेत्र में समृद्ध हो रहा है। हमारा दायित्व है कि हम अपनी इस अमूल्य धरोहर को अक्षुण्ण बनाए रखें। यह तभी संभव होगा जब समाज के लोग शिक्षित हो। अपने राज्य की अध्यात्मिक सांस्कृतिक और प्राकृतिक सम्पदा हर छत्तीसगढ़ वासी का गर्व है।

==========0==========

1
स्वच्छ भारत मिशन

प्रस्तावना- हम स्वच्छता के बारे में लोगों से कहते व सुनते हैं। साफ़-सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह जीवन की पहली प्राथमिकता है।

सफाई का महत्त्व- सफाई का मतलब सफाई या स्वच्छता अर्थात् अस्वच्छता या गन्दगी हमारे आस-पास के वातावरण एवं जीवन को प्रभावित करती है। हमें व्यक्तिगत व आस-पास भी सफाई रखनी चाहिए। रोगियों की बढ़ती जनसँख्या तथा अस्पतालों पर ध्यान देने की आवश्यकता इस बात के महत्त्व को और भी अधिक स्पष्ट करती है। प्रदूषण से बचने के लिए कचरे का प्रबंध करना चाहिए।

स्वच्छ भारत मिशन- भारत के प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत् 2 अक्टूबर 2014 को गाँधी जयंती के दिन प्रारंभ किया क्योंकि गाँधी जी का सपना स्वच्छ भारत का था। सफाई या स्वच्छता भारत के सभी नागरिकों की सामाजिक जिम्मेदारी बनती है। स्वच्छता से भारत की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। यदि हम इस पुनीत कार्य में हर हफ्ते दो घंटे समय लगाएं तो स्वच्छ भारत की कल्पना साकार होना असंभव नहीं है।

मिशन की सफलता हेतु प्रयास- छोटे बच्चे परिवार से सर्वप्रथम स्वच्छता का पाठ सीखते हैं फिर विद्यालय में जाकर सफाई व स्वच्छता के महत्त्व के बारे में सीखते हैं।

वे गन्दगी कूड़े कचरे से होने वाले नुकसान भी समझते हैं। बच्चे स्वास्थ्य और सफाई के महत्त्व को समझेंगे तो उनमें अच्छे संस्कारों व विचारों का जन्म भी होगा। परिवार की भूमिका यहाँ अहम् है कि हम व्यक्तिगात् सफाई के माध्यम से बच्चों को इसका महत्त्व समझाएं।

प्राथमिकता गाँव को देनी होगी, गावों में कचरों के प्रबंध के लिए लोगों को जागरूक करना तथा ज्यादा से ज्यादा शौचालयों का निर्माण करना होगा। इस कार्य में नगरनिगम व पंचायत की भूमिका विशेष है। भारत की स्वच्छता की यह कोशिश मानव श्रृंखला बनकर और विस्तार पा सकती है। संचार माध्यमों के द्वारा प्रसारण व चर्चा के द्वारा लोगों को जानकारी मिलेगी और वे अंततः प्रेरित होंगे।

उपसंहार- वर्तमान में लोग इस ओर स्वतः प्रेरित हैं, लोगों द्वारा स्वच्छता की ओर इस तरह हाथ बढ़ाना निश्चय ही कुछ वर्षों के बाद भारत को पश्चिमी देशों जैसे एकदम बढ़िया और सुन्दर देशों की गिनती में अग्रणी बनाएगा। एक कदम स्वच्छता की ओर यह पवित्र विचार हमें इस दिशा में आगे बढ़ने की ओर प्रेरित करेगा।

2. मोबाइल क्रांति

प्रस्तावना- वर्तमान युग में मोबाइल फोन जीवन की आवश्यकता बन गया है। आज बाल वृद्ध सभी के पास मोबाइल फोन दिखाई देता है। यह समय की मांग है तभी सभी व्यक्तियों को इसने अपने घेरे में ले लिया है। यह आजकल सस्ता और सबके लिए उपयोगी बन गया है। आधुनिक जीवन में बिना मोबाइल के सभी जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। आज की सभ्यता का प्रथम चरण इस बेतार के यंत्र से ही प्रारंभ होता है। इसने संसार की दूरी को बहुत ही कम कर दिया है। बातचीत की सुविधा घर से उठकर जेब में पहुँच गई है। घर-बाहर सभी समय यह इच्छित व्यक्ति से बात कराने में समर्थ है। चाहे कोई स्वजन देश में हो या विदेश में, हर समय उससे मोबाइल के द्वारा संपर्क साधा जा सकता है। ये फोन विभिन्न प्रकार के मॉडल्स में उपलब्ध है। इसमें अनेक क्रियाएं संपन्न हो जाती है। यह सूचना को टेप कर लेता है। सन्देश एस.एम.एस. के द्वारा भेजा जा सकता है। फोन करने वाले का नंबर बता सकता है। वह इस समय कहाँ से बोल रहा है, यह जानकारी भी दे सकता है। फोटो खींच सकता है आदि। इतनी साडी क्रियाओं के संपादन के बदले हमें छोटी सी कीमत देनी पड़ती है। मोबाइल कंपनियों की प्रतिस्पर्धा के चलते ये फोन बहुत सस्ते हो गए हैं और इनसे बात करना भी सस्ता हो गया है।

पहले व्यापारिक सेल्युलर टेलीफोन का परिक्षण 1970 में शिकागो में इलीनॉइस बेल ने किया था। इसमें उसे सफलता मिली और 1980 के मध्य में पूरे राष्ट्र में इसकी शुरुआत हो गई। शुरू-शुरू में मोबाइल बड़े आकार में मिलते थे लेकिन अब ये छोटे से छोटे आकर में उपलब्ध हैं। इसके संचालन के लिए दूर-दूर पर बड़े-बड़े टावर लगाए जाते हैं, इनके आने से व्यापारियों को बहुत बड़ा लाभ हुआ। उनका व्यापार आज जितनी तरक्की कर रहा है, वह मोबाइल फोन के कारण ही है। मोबाइल फोन से ही वस्तुओं का आर्डर दे दिया जाता है। और मूल्य आदि की जानकारी भी इसके माध्यम से ली जाती है। शेयर बाज़ार की तो यह मानो जिन्दगी ही है। पल-पल में देश विदेश की खबरें इसके संध्याम से शेयर बाज़ार के कर्मचारी लेते रहते हैं। इसके अलावा डाक्टर, इंजीनियर, नैविगेटर, पायलट, वैज्ञानिक आदि इसके माध्यम से समाज और अपने स्टाफ से संपर्क बनाए रखते हैं। आज तो किसान, विद्यार्थी, साधारण श्रमिक सभी इसके उपयोग से लाभान्वित हो रहे हैं।

दुष्परिणाम- जिस प्रकार प्रत्येक वस्तु के दो पहलू होते हैं अच्छा और बुरा, इसी प्रकार मोबाईल फोन के भी दो पहलू हैं लाभ और हानि। हर उपयोगी वस्तु कोई न कोई हानि समाज पर छोड़ती है, यहाँ पर हम उसकी गुणवत्ता पर ध्यान देकर ही उसका प्रयोग जारी रखते है। उसी

समय हम उसकी न्यूनतम हानियों को अनदेखा कर देते हैं। उदहारण के लिए जीवन सक्षक दवाएं भी शरीर पर अपना कुप्रभाव छोड़ती हैं फिर भी हम उन्हें लेते हैं क्योंकि वे हमारे लिए आवश्यक हैं। इसी प्रकार मोबाइल फोन की कतिपय हानियों को हम अनदेखा क्र देते हैं।

हमारे मस्तिष्क की कोशिकाओं को मोबाइल फोन के सञ्चालन से असुविधा का सामना करना पड़ता है, इससे दिमाग में तनाव विकसित होता है। कभी कभी तो मोबाइल फोन धारक आराम भी नहीं कर पाता।

उपसंहार- जो भी है मोबाइल फोन आज के युग का सर्वाधिक प्रचलित आविष्कार है, जिसने मानव-समाज पर अपना अधिकार जमा लिया है।

3. विज्ञान के चमत्कार

आधुनिक युग में विज्ञान के इतने चमत्कार पाए जाते हैं कि उनको उँगलियों पर नहीं गिना जा सकता है। विज्ञान ने आज असंभव को संभव बना दिया है।

विज्ञान का सबसे बड़ा चमत्कार 'बिजली' है यह आज्ञाकारी दासी की तरह हमारे सरे कार्य करती है। बटन दबाते ही कमरा प्रकाश से भर जाता है, स्विच घुमाते ही पंखा हवा देने लगता है। कॉलबेल बजकर किसी के आगमन की सूचना देती है। बिजली भोजन बनती है, वस्त्रों की धुलाई करती है, घर की सफाई करती है, बिजली से कल कारखाने चलते हैं रेलगाड़ियाँ चलती हैं।

विज्ञान ने हमको यात्रा और यातायात के अनेक साधन- वायुयान, जलयान, रेलगाड़ियाँ, मोटरकार दी हैं। समाचार भेजने तथा सन्देश देने के साधन तार-टेलीफोन दिए हैं। विज्ञान ने हमको सिनेमा, टेलीविजन और रेडियो प्रदान किये हैं। जो मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षा के साधन भी हैं। विज्ञान ने अब बीमारियों पर भी काबू पा लिया है। एक्स-रे से अब शरीर के भीतरी भागों का भी चित्र लिया जा सकता है।

सच तो यह है कि विज्ञान के चमत्कारों का जाल सा छा गया है। विज्ञान ने जहां मानव जीवन को सुखी बनाने के साधन दिए हैं। वहीँ उसे समाप्त करने के भी साधन बना दिए हैं।

अणुबम एक पल में ही सारे संसार को नष्ट कर सकता है। इस प्रकार विज्ञान हमारे लिए वरदान तथा अभिशाप दोनों ही है। यह मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह उसकी शक्ति का उपयोग किस प्रकार करे।

4. विद्यार्थी और अनुशासन

प्रस्तावना- मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और अनुशासन मानव जीवन का एक आवश्यक अंग है। मनुष्य को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन के नियमों का पालन करना पड़ता है। अनुशासनहीनता किसी भी समाज या मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है।

अनुशासन का अभिप्राय- अनुशासन शब्द दो शब्दों से बना है, अनु+शासन। अनुशासन का अर्थ हुआ विशेस अनुशासन अर्थात् नियमबढ व् नियंत्रण में रहकर कार्य करना अनुशासन कहलाता है।

अनुशासन के प्रकार- 1. आत्मानुशासन या स्वअनुशासन 2. बाह्य अनुशासन

स्वअनुशासन का आशय है कि स्वयं को नियमों के बंधना। जबकि बाह्य अनुशासन का कारण भय, दंड तथा बाहरी दबाव व् आदर्श। आत्मानुशासन ही सर्वोत्तम माना जाता है।

विद्यार्थी का जीवन समाज व देश की अमूल्य निधि है। भावी राष्ट्र निर्माता है- विद्यार्थी अतः विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का अत्यंत महत्त्व है।

प्राचीन व वर्त्तमान युग में अनुशासन–

पुरातन शिक्षा पद्धति में अनुशासन का विशिष्ट स्थान था। आत्मसंयम, आज्ञापालन आदि शिक्षा के आवश्यक अंग थे अध्य युग में यह प्रविरित्ति कम होती गयी और आधुनिक युग में तो आत्मानुशासन की प्रवृत्ति का अंग ही हो गया है।

उपसंहार- विद्यार्थियों को दी जाने वाली शिक्षा को व्यावहारिक जीवन की आवश्यकताओं से जोड़कर सरस व् उद्देश्यपूर्ण बनाना होगा तभी छात्र व देश का हित संभव होगा। व्यक्तित्व के समुचित विकास के लिए अनुशासन अपरिहार्य है अनुशासन ही सुखी जीवन की आधारशिला है।

5. किसी महापुरुषों की जीवनी या राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

गांधीजी का पूरा नाम मोहनदस करमचंद गाँधी था। इनकी माता का नाम पुतलीबाई था। इनका जन्म गुजरात के पोरबंदर में 2 अक्टूबर सन् 1869 को हुआ। पोरबंदर में ही मैट्रिक पढ़ कर ये उच्च शिक्षा हेतु विलायत गए।

विलायत से वापस आकर आपने मुंबई में बैरिस्ट्री आरम्भ की लेकिन शीघ्र ही वकालत छोड़कर देश की सेवा में जुट गए। उस समय भारत अंग्रेजों के अत्याचार से त्रस्त था। गांधीजी ने अफ्रीका में भारतीयों की सहायता कर उनके मानव अधिकार दिलाये। गाँधी जी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे तथा स्वावलंबी थे। इन्होने स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग तथा कड़ी आन्दोलन चलाए। नमक क़ानून और जंगल कानून तोडा तथा सत्याग्रह किया। तत्पश्चात् देश की स्वतंत्रता संग्राम किया। तत्पश्चात् देश की स्वतंत्रता संग्राम में जुट रहे। देश के नेताओं, शहीदों और भक्तों को एकत्र कर "भारत छोडो आन्दोलन" चलाया। इन्हें कई बार अंग्रेजों ने जेल में ठूंसा पर उनके विचार दृढ़ ही रहे।

गांधीजी ने हरिजनों का उद्धार किया। शराबबंदी और हिन्दू मुस्लिम एकता के लिए सतत् प्रयत्न किये। 15 अगस्त सन् 1947 में भारत आजाद हुआ और 30 जनवरी सन् 1948 को नाथूराम गोडसे ने प्रार्थना सभा में गांधीजी को गोली से मार डाला। हे राम कहकर बापू ने अपना प्राण त्याग दिए।

ये सच्चे भक्त, महान संत, समाज सुधारक थे, जिन्हें हम राष्ट्रपिता या पूज्य बापू भी कहते हैं।

गांधीजी खाड़ी के वस्त्र पहनते थे खुद चरखा चलाकर सूत कातते थे। इनके साथ पत्नी कस्तूरबा भी कदम से कदम मिलाकर चलती रही। "वैष्णव जन तो तेणे कहिये" और "रघुपति राघव राजा राम" इनके प्रिय भजन थे बापू सदा अमर रहेंगे।

6. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ इसका अर्थ है, लड़कियों को बचाना और उन्हें शिक्षित करना।

इस योजना की शुरुआत भारत सरकार द्वारा 2015 के जनवरी महीने में हुई। इस योजना का उद्देश्य भारतीय समाज में लड़कियों और महिलाओं के लिए कल्याणकारी कार्यों की कुशलता को बढ़ाने के साथ-साथ लोगों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए भी है। इस योजना का उद्देश्य कन्याभ्रु हत्या को जड़ से मिटाने से मिटाने के लिए लोगों से आह्वान भी करती है। हरियाणा के पानीपत में 22 जनवरी 2015 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी द्वारा सफलता पूर्वक इस योजना का आरंभ किया गया।

लड़कियों के प्रति लोगों के विचार धरा में सकारात्मक बदलाव लाना ही इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। भारतीय समाज में लड़कियों के प्रति लोगों की मानसिकता बहुत क्रूर हो चुकी है। ऐसे लोगों का मानना है कि लड़कियाँ पहले परिवार के लिए बोझ होती है और फिर पति के लिए तथा ये सिर्फ सेवा के लिए होती है। अंक अपना कोई स्वतन्त्र अस्तित्व नहीं होता। दुनिया की आधी जनसँख्या लगभग लड़कियों की है। इसलिए वे धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधी जिम्मेदार होती हैं। किन्तु लड़कियों को कम महत्त्व देने से धरती का मानव समाज खतरे में पद जायेगा। क्योंकि अगर लड़की (महिला) नहीं तो जन्म नहीं। लगातार प्रति लड़कों पर गिरता लड़कियों का अनुपात इस मुद्दे की चिंता को साफ़ तौर पर दिखाता है। अतः बच्चियों की सुरक्षा, लड़कियों को बचाना, कन्याभ्रुण हत्या रोकने के लिए उन्हें गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई है।

बढ़ते कदम
आकलन से शैक्षिक गुणवत्ता की ओर...

समरूपता, वैधता, विश्वसनीयता